“ सुविचार
जिन्दगी में सबसे ज्यादा खुश वही रहता है, जो कम साधनो में भी खुश रहता है ! ”

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 260
वर्ष : 06
मूल्य : 02
पृष्ठ : 06

गुरूवार, 03 अप्रैल 2025 | दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार | web_dainikbiharpatrika.com

पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया

बिहार पत्रिका। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल तीन साल के लिए होगा।
आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति ने तीन साल के कार्यकाल के लिए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के तौर पर पूनम गुप्ता की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। माइकल देबव्रत पात्रा के जनवरी में अपना पद छोड़ने के बाद आरबीआई में डिप्टी गवर्नर का यह पद खाली हो गया था।
पूनम गुप्ता वर्तमान में देश की सबसे बड़ी आर्थिक नीति थिंक टैंक, नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक हैं। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य भी हैं। इसके अलावा 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के संयोजक के रूप में कार्यरत हैं।
पूनम गुप्ता के पास अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नात्कोत्तर की डिग्री और पीएचडी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर पीएचडी के लिए 1998 में एक्जिम बैंक पुरस्कार जीता था। इसके साथ ही वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक में लगभग दो दशक तक वरिष्ठ पदों पर काम करने के बाद वह 2021 में एनसीएईआर में शामिल हुईं। इसके अलावा गुप्ता राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) में आरबीआई चेयर प्रोफेसर और आईसीआरआईईआर में प्रोफेसर भी रही हैं।

‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ - रोमांच और एक्शन का बवंडर! नेटफ्लिक्स पर छाया नया क्राइम थ्रिलर

अगर नेटफ्लिक्स पर ‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ नहीं देखा, तो क्या देखा?

बिहार पत्रिका।पटना

नीरज पांडे द्वारा बनाई गई ‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ कोलकाता का एक नया रंग - भ्रष्टाचार और न्याय की जटिलताओं को बारीकी से पेश करती है। यह सात एपिसोड वाली नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर एक ईमानदार आईपीएस अधिकारी अर्जुन मैत्रा की कहानी है, जो बिना डरे एक भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ लड़ाई लड़ता है।
इस सीरीज़ ने लॉन्च होते ही दुनियाभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और नेटफ्लिक्स के ग्लोबल टॉप 10 (नॉन-इंग्लिश टीवी) लिस्ट में जगह बनाई। 12 देशों में यह शो अपनी दमदार कहानी और बेहतरीन एक्टिंग की वजह से छाया हुआ है। इसमें जीत, प्रोसेनजीत चटर्जी, सास्वता चटर्जी, परमब्रत चटर्जी, ऋत्विक भौमिक, आदिल जफर खान, चित्रांगदा सिंह, पूजा चोपड़ा, आकांक्षा सिंह, मिमोह चक्रवर्ती और श्रद्धा दास जैसे कलाकारों ने शानदार अभिनय किया है।
यह कहानी राजनीति और अपराध के टकराव की है, जहां सत्ता की सच्चाई और आदर्शवाद के बीच एक शतरंज जैसी जंग चलती है। चित्रांगदा सिंह द्वारा निभाई गई विपक्षी पार्टी की तेज़-तर्रार और

मौकापरस्त नेता निबेदिता बसाक और सागोर (ऋत्विक भौमिक) और रंजीत (आदिल जफर खान) की जोड़ी इस कहानी में नए रंग भरती है, जिससे यह शो एक्शन और क्राइम ड्रामा के शौकीनों के लिए एक मस्ट-वॉच बन जाता है।
चित्रांगदा सिंह ने कहा, 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' में एक पॉलिटिशियन निबेदिता बसाक का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत रोमांचक था। कई मायनों में यह मेरे लिए पहली बार था। एक राजनेता का रोल निभाना आसान नहीं होता, लेकिन सीरीज़ की स्क्रिप्ट बहुत शानदार थी और डायरेक्टर तुषार और देबात्मा को अच्छी तरह पता था कि उन्हें क्या चाहिए। एक दर्शक के तौर पर आप हर किरदार की मंशा को लेकर बार-बार सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। दुनियाभर से हमें जो प्यार मिला है, वह बेहद खास है और मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस जबरदस्त क्राइम थ्रिलर को देखें। नेटफ्लिक्स की वजह से यह शो पूरी दुनिया तक पहुंचा है, और अगर आपने इसे अब तक नहीं देखा, तो आप एक शानदार अनुभव से चूक रहे हैं!”
ऋत्विक भौमिक ने कहा, “सागोर ऐसा किरदार है, जो एक्टर के तौर पर आपको जबरदस्त चुनौती देता है। वह एक क्रूर अंडरवर्ल्ड में फंसा हुआ है, जहां हर कदम पर उसे कठिन फैसले लेने पड़ते हैं। मुझे ‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ इसलिए पसंद है क्योंकि यह क्राइम और सर्वाइवल की असली, बिना किसी दिखावे वाली सच्चाई को सामने लाता है। यह शो इंटेंस, अनप्रेडिक्टेबल और शुरू से अंत तक आपको बांधकर रखता है। दुनियाभर से हमें जो प्यार मिला है, वह अद्भुत है।
नेटफ्लिक्स ने हमें यह कहानी दर्शकों तक पहुंचाने का जो मौका दिया, उसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है, क्योंकि यह एक गहरी छाप छोड़ने वाला शो है।”
हर एपिसोड के साथ यह सीरीज़ आपको ऐसे सफर पर ले जाती है, जहां दांव ऊंचे हैं और न्याय पाने की लड़ाई में निजी बलिदान देने पड़ते हैं।
तो फिर इंतज़ार किस बात का? ‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ देखिए सिर्फ नेटफ्लिक्स पर......।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की तबियत बिगड़ी

बिहार पत्रिका। पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। ब्लड शुगर बढ़ने के कारण उनकी स्थिति खराब हो गई, जिसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली जाने की सलाह दी है। लालू यादव बीते दो दिनों से ब्लड शुगर बढ़ने की समस्या से जूझ रहे थे। बुधवार सुबह उनकी तबीयत और बिगड़ गई, जिसके बाद डॉक्टरों की एक टीम पटना स्थित राबड़ी आवास पर उनकी निगरानी में लगी हुई है।
चिकित्सकों के मुताबिक, उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है और जल्द ही उन्हें दिल्ली भेजा जा सकता है।पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड राबड़ी आवास पर डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। सूत्रों से जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की जा रही है। बहुत जल्द ही लालू प्रसाद यादव को इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया जा सकता है।
फिलहाल डॉक्टरों की टीम लालू यादव की हालत स्थिर बता रही है। राजनीतिक रूप से देखें तो, हाल के दिनों में लालू प्रसाद यादव काफी एक्टिव नजर आ रहे थे। तेजस्वी के लिए माहौल बनाने के लिए वह जिलों का दौरा भी कर रहे थे। यही नहीं पटना में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के धरना स्थल पर भी नजर आए थे। उन्होंने अल्पसंख्यकों के साथ बैठकर उनका हौसला भी बुलंद किया था। ऐसे में अचानक आज लालू प्रसाद यादव की तबीयत बिगड़ने की खबर आई है, जो उनके समर्थकों के लिए चिंता का विषय है।

संक्षिप्त खबर

खगड़िया:ट्रेन की चपेट में आकर बुझ गया घर का इकलौता चिराग!

बिहार पत्रिका,खगड़िया। कटिहार-बरौनी रेल खंड के पसराहा रेलवे स्टेशन से पूरब ब्रह्म बाबा स्थान के पास बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पसराहा थाना के पास चकहर गांव निवासी स्व. उपेंद्र ठाकुर के 25 वर्षीय पुत्र रंजीत ठाकुर के रूप में हुई है। कुछ वर्ष पहले ही रंजीत के पिता का देहांत हो गया था, जिसके बाद से घर की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर आ गई थी। युवक की पत्नी पंजाब में रहती है। घर की आर्थिक स्थिति खराब होने और नशे की लत के चलते वह मानसिक अवसाद में जी रहा था। हादसे की खबर मिलते ही मृतक की मां की हालत नाजुक हो गई है। महेशखूंट जीआरपी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है और मामले की छानबीन जारी है।

गेमिंग ऐप का पेमेंट गेटवे हैक कर 1 करोड़ की ठगी, बाप-बेटे समेत तीन गिरफ्तार

गाज़ियाबाद।पुलिस ने गेमिंग ऐप के पेमेंट गेटवे को हैक कर 1 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में बाप-बेटे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने ग्रामीणों से बैंक खाते खुलवाकर उनके मोबाइल पर गेम डाउनलोड करवाया। ऐप वॉलेट में कुछ पैसे जमा कर हैकिंग तकनीक से गेटवे को हैक किया और पैसे निकाल लिए। आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं और मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की ठगी में और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजे चार नए ग्रह

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी से काफी छोटे चार चट्टानी ग्रह खोजे हैं। ये ग्रह बर्नार्डी के तारे की परिक्रमा करते हैं, जो श्री-स्टार अल्फा सेंटॉरी सिस्टम के बाद हमारे सबसे नजदीक है। बर्नार्डी का तारा सबसे नजदीकी एकल तारा है। ये ग्रह अपने तारे की परिक्रमा इतनी नजदीक से करते हैं कि वहां जीवन की संभावनाएं लगभग नगण्य हैं।

प्रोटीन का ज्यादा सेवन कर सकता है किडनी में पत्थरी, डॉक्टर की चौंकाने वाली चेतावनी!

कानपुर । उत्तर प्रदेश में गैस्ट्रो लिवर अस्पताल के डॉ. विनोद के मिश्रा ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन किडनी में पत्थरी का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ज्यादा प्रोटीन खाने से न केवल किडनी में समस्या होती है, बल्कि वजन बढ़ने और कब्ज जैसी समस्याएं भी जन्म लेती हैं।
डॉक्टर ने चेतावनी दी है कि ज्यादा प्रोटीन के सेवन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने का भी खतरा है। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और प्रोटीन का संतुलित मात्रा में सेवन करें।

फोन पानी में फेंकने पर महिला की बेरहमी से हत्या, 13 साल का लड़का गिरफ्तार

जालना। महाराष्ट्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक 43 वर्षीय महिला की हत्या के आरोप में मात्र 13 साल के लड़के को हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, महिला ने अपने खेत तक पानी न आने देने पर लड़के को डांट दिया था। गुस्से में लड़के ने महिला का फोन पानी में फेंक दिया। आरोप है कि इस पर भड़की महिला ने लड़के को फटकार लगाई। लेकिन मामला तब भयानक मोड़ लेता है जब आरोपी लड़के ने सोती हुई महिला के सिर पर पत्थर से वार कर उसे कुचल डाला। इस निर्मम हत्या ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है और मामले की जांच जारी है।

नव वर्ष एवं रामनवमी को लेकर आज निकालेगी बाइक रैली जुलूस

उमाकांत साह।बिहार पत्रिका,चांदन/बांका। हर साल की भांती इस वर्ष भी गुरुवार 3 अप्रेल को भैरोगंज बाजार के बजरंग दल के सैकड़ो सनातनी युवा द्वारा बाइक रैली शोभा यात्रा जुलूस निकालकर लोगों को प्रेरित करेगी. इस आशय की जानकारी देते हुए बाइक रैली जुलूस के अध्यक्ष बमबम पांडेय संयोजक अमित कुमार यादव ने बताया की बाइक रैली भैरोगंज थाना मोड़ से मथुरा मोड़ एवं वापस भैरोगंज बाजार के काली मंदिर से होते हुए केनुआर, आंकाकुरा, हिरारायडीह, तिनघरवा, गाजोरायडीह, नोनिया, कुरूमटांड होते सिमरामोड, के रास्ते सुडियाडीह, मंझली, सिद्धुडीह,वापस भैरोगंज हाई स्कूल के खेल मैदान में सम्पन्न कि जाएगी।

रामसेवक रावत जैसे थाना प्रभारी की हर थाने में जरूरत है देश को

थाना अध्यक्ष से दलाल माफिया परेशान

बिहार पत्रिका। त्रिवेणीगंज

सुपौल। इन दिनों थाना प्रभारी रामसेवक रावत दलाल ,माफिया तथा अवैध कारोबारी और अपराधियों के लिए रोड़ा बन बैठा है, सबसे दुखी दलाल है यह लोग खून के आंसू रोते फीर रही है, एक समय था जब घरों से लोग स्कूल कॉलेज बाजार निकलती थी तो परिवार के लोग तब तक चिंतित रहते थे जब तक वह सही सलामत घर वापस ना आ जाए, लोग अपराधियों से ज्यादा पुलिस वाले से डरते थे,दलालों के सहारे थाना चलती थी, आम लोगों को एफआईआर दर्ज करने के लिए दलालों की मदद लेनी पड़ती थी, पीड़ित को कई सीढ़ी पार कर थाना अध्यक्ष की दफ्तर तक पहुंचाने थे, बिना दलाल के इजाजत के बिना थाने में कोई काम नहीं होता था, थाना के गेट से बाहर ही एफआईआर दर्ज कराने के लिए को लेकर पीड़ित और दलालों के बीच मोलभाव हो जाता था, पैसे लेकर झूठा है एफआईआर किया जाता था,आज वही थाना है यहां रामसेवक रावत आने बाद पीड़ित बेझिझक थानेदार के दफ्तर अपनी फरियाद लेकर पहुंचते हैं और थानेदार से अपनी पीरा सुनाते है,मामले की त्वरित कार्रवाई भी हो रही है आज के समय में निर्भीक होकर दुकानदार एवं छात्र-छात्राओं तथा लोग स्कूल, कॉलेज, बाजार में घूम रहे हैं, रामसेवक रावत की रावत की खोफ इस कदर है कि गुंडे , अपराधियों, अवैध कारोबारी,

माफिया ,खासकर दलाल उनसे बचते फिर रहे हैं चुकी थाना प्रभारी नजर इन लोगों की हर गतिविधि पर हैं जिसका नतीजा अपराधों का ग्राफ 95% कम हुआ है। वहीं थाना अध्यक्ष रामसेवक रावत की नेतृत्व में की गई कार्रवाई एक मिसाल बन गया है ऐसा माना जाता है कि अपराधियों के खिलाफ जितनी सख्त कार्रवाई होगी, अपराध उतना ही कम होगा. यह बात सच साबित हुआ, रामसेवक रावत व्यवहार कुशल होने के साथ-साथ एक सख्त प्रशासनिक अधिकारी हैं. जिनका मानना है कि गुंडे और असमाजिक तत्वों शराब कारोबारी तथा बदमाशों का स्थान समाज में नहीं जेल में होना चाहिए. ताकि जनता में पुलिस के प्रति छवि साफ-सुथरी हो और लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें. साथ ही अपराधियों में पुलिस का इतना खौफ होना चाहिए कि वह कोई अपराध करने से पहले 10 बार सोचें. थाना अध्यक्ष की कार्यशीली से कुछ गीने चुने ब्रांडेड दलालों को पेट में गहरी दर्द हो रही है, चुकी दलालों की भरण पोषण थाने के दलाली से चलता थी, जब इन दलालों को थाना प्रभारी रामसेवक रावत के पास एक भी नहीं चली तो क्षेत्र में पुलिस पर अपना पकड़ बनाने के लिए मंत्री विधायक के चौखट पर दुखड़ा सुनाते फीर रहे हैं, इतना ही नहीं इन दलालों ने हालही में थाना प्रभारी पर जानलेवा हमला भी करवाया ,लेकिन थाना प्रभारी अपने कर्तव्य को लेकर डटे रहे, यह तथा कथित दलालों और समाज के ठेकेदारों ने देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी तक को बदनाम करके रख दिया, कुछ मनरोगी किस्म मीडिया है जो दलालों के पक्ष में ढिंढोरा पीट रहा ,जबकि इन दलाल मीडिया पर आधा दर्जन से अधिक मुकदमा दर्ज है हवालात के भी हवा खा चुके हैं, इन दलालों ने थाना अध्यक्ष की दामन में दाग लगाने के लिए एक हरिजन चरित्रहीन महिला सहारा लिया जो महिला इन लोगों के इशारे पर एक दूसरे को केस में फसने फसाने का कार्य करता है, फिर यही लोग समझौता करने के नाम पर मोटी रकम वसूली करते, इस महिला का पूर्व का अगर इतिहास देखा जाए तो ये महिला कई लोगों पर झूठा मुकदमा दर्ज किया है, जहां तक की लोगों रेप केस तक किया, यह दलाल लोग इस महिला के सहारे भोले भाले लोगों व अधिकारी के खिलाफ आवेदन दिलाकर अपनी पैठ बनाकर लाखों वसूली करता है रामसेवक रावत ईमानदारी से की जा रही निरन्तर कर्यवाही को देखकर क्षेत्र के लोगो व बुद्धिजीवियों का कहना है, बड़ी सौभाग्य से त्रिवेणीगंज थाने को एक नेक ईमानदार थाना अध्यक्ष मिला है, जिससे थाना क्षेत्र में लोग बहुत खुश हैं लोग अमन ,चैन ,शांति से अपना जीवन बसर कर रही हैं, ससमय थाना में जनता दरबार निपटारा हो रही है, थाने में दलाल की एंट्री बंद हो गई है क्योंकि; वे रिश्वत खोर अफसर नहीं है. और सच के साथ हमेशा खड़े होते हैं. दरअसल कड़वी दवा और कड़क ईमानदार अफसर को कम ही लोग पसंद करते हैं. क्योंकि, वे उलटे-सीधे काम नहीं करते. उन दलालों को बिकने वाले सरकारी बाबू ही चाहिये जो उनके हिसाब से मनमुताबिक काम करे. भले ही वह राज्यहित में न हो. रामसेवक रावत आने के बाद पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ी है,आने वाले समय में निश्चित ही यह मील का पत्थर साबित होगा, पुलिस का काम सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण माना जाता है नागरिक सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी होती है जिसको रामसेवत रावत बखूबी से निभा रही है, वही आरटीए कार्यकर्ता व फोटो स्टेट दुकानदार गजेंद्र यादव ने कहा रामसेवक रावत के आने के बाद बाजार की दुकानदार बहुत खुश है, सभी दुकानदार निर्भीक होकर अपना धंधा चला रहे हैं थाना क्षेत्र में काफी अपराध की ग्राफ घटा है, हर थाने में ईमानदार और नेक थाना प्रभारी रामसेवक रावत की ज़रूरत है, जिससे देश में कानून व्यवस्था और न्याय व्यवस्था मजबूत हो सके।

अग्नि पीड़ितों के बीच बीडीओ ने सौंपा सहायता राशि का चेक

बिहार पत्रिका । समस्तीपुर

समस्तीपुर। मोहिउद्दीन नगर प्रखंड अंतर्गत तेतारपुर पंचायत के नारायणपुर गाँव में बीते तीन दिन पूर्व आग लगने से एक दर्जन से अधिक घर जलकर राख हो गया,कल संध्या 6 बजे स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह जी के निर्देश पर अंचलाधिकारी के छुट्टी में जाने के कारण प्रखंड विकास पदाधिकारी नवकुंज कुमार जी के द्वारा विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह के उपस्थिति में 15 अग्निपीड़ित परिवारों को 20000रु का चेक प्रति परिवार दिया गया। पीड़ित परिवार में जीतेन्द्र पंडित,नेहा पंडित,शोभा देवी,संगीता देवी,राजेश पंडित,बिरजू पंडित,नीतू कुमारी सहित 15 परिवारो को चेक दिया गया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह,मुखिया अनिल पासवान, लोजपा नेता सुरेंद्र पासवान, पूर्व मुखिया विरचंद्र राय,अभिनंदन कुमार,अंचल नाजिर मनीष कुमार आदि उपस्थित थे।

अस्पताल को निबंधित करने हेतु किया गया निरीक्षण

कुमार चंदन। बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर मंगलवार को डिस्ट्रिक्ट एम्पेनेलमेंट कमिटी ने आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजन के तहत अस्पताल को निबंधित करने हेतु मंजू देवी सेवा सदन, शंभूगंज का निरीक्षण किया गया। अस्पताल मंजु देवी सेवा सदन को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत अस्पताल को सूचीबद करने के उद्देश्य से आज निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में अस्पताल में चिकित्सक नहीं पाए गए। इसके अलावा अस्पताल में आयुष्मान भारत के तहत जो मानक रखे गए हैं वह व्यवस्थाएं भी उपलब्ध नहीं पाई गई। निरीक्षण में सिविल सर्जन,वरीय उप समाहर्ता, जिला कार्यक्रम समन्वयक, बांका सहित अन्य उपस्थित थे।

परमेश्वर लाल खेमका सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,बौंसी के प्रधानाचार्य का आकस्मिक निधन

बिहार पत्रिका।कुमार चंदन

बौंसी/बांका। परमेश्वर लाल खेमका सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,बौंसी के प्रधानाचार्य झुन्नू तिवारी का हृदय गति अवरोध होने के कारण बुधवार को अपराह्न 01:00 बजे निधन हो गया। प्रधानाचार्य ग्राम- लौरिया पोस्ट- लौरिया, जिला- पश्चिम चंपारण के निवासी थे। वह विगत 26 वर्षों से प्रधानाचार्य पद पर आसीन थे। बौंसी विद्यालय में इनका योगदान 25 जुलाई 2023 को हुआ था। उनके निधन पर भागलपुर विभाग के विभाग प्रमुख विनोद कुमार, चमन शाह सरस्वती विद्या मंदिर बांका के प्रधानाचार्य मिथिलेश

कुमार ठाकुर, आनंद राम ढांढनिया सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर के प्रधानाचार्य सुमंत कुमार, करहिया बांका के प्रधानाचार्य संजीव कृष्ण पाठक, स्थानीय प्रबंधनकारिणी समिति के सचिव डॉ ऋषिकेश कुमार सिन्हा, प्रबंधकरणी समिति के अध्यक्ष, आचार्य अमरकांत मिश्रा, सुमन प्रसाद सिन्हा, उदय कुमार सिन्हा, दीपक कुमार, विकास कुमार, निकेश कुमार सिंह, विवेकानंद झा, बासुकी प्रसाद साह, नंदलाल वैद्य, अंजनी कुमार,कुमार विकास, आचार्या रानी मिश्रा, रुचि कुमारी,शिखा ठाकुर,सुनीता कुमारी, सलोनी कुमारी,माला कुमारी, खुशबू सोनी, ललिता कुमारी सहित अन्य ने शोक संवेदना व्यक्त की।

बालूघाटों पर संयुक्त छापमारी अभियान चलाकर 1500 घन फ़ीट बालू किया गया जप्त

बिहार पत्रिका । बांका

समाहर्ता, बांका, एवं पुलिस अधीक्षक, बांका के निर्देश पर मंगलवार को बांका जिला अंतर्गत बेलहर थानाक्षेत्र में बदुआ नदी से बालू के अवैध खनन/ परिवहन/ भण्डारण पर जिला खनन पदाधिकारी, बांका, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेलहर, थानाध्यक्ष, बेलहर, खान निरिक्षण, बांका द्वारा विभिन्न बालूघाटों पर संयुक्त छापमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के क्रम मे करवार बालूघाट पर बालू के अवैध खनन के साक्ष्य मिले, तत्काल स्थल पर मौजूद अवैध बालू भण्डारण पर कार्यवाई करते हुए लगभग 1500

घन फ़ीट बालू जप्त की गयी है। अवैध खनन एवं भण्डारण मे संलिप्त पर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्यवाई की जा रही है। विदित है की जिला अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 मे अवैध खनन/ परिवहन/भण्डारण पर कुल 1110 छापमारी करते हुए 235 प्राथमिकी दर्ज की गयी है, 425 वाहन जप्त की गयी है एवं दंड मद मे कुल 4.26 करोड़ रूपये राजस्व की वसूली की गयी है। प्रशासन द्वारा बताया गया की अवैध खनन पर कार्यवाई का सिलसिला जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबर

झाड़ी में लावारिश फेंका मिला नवजात , मां की ममता को किया शर्मसार

बिहार पत्रिका, शंभूगंज/बांका। असरगंज मुख्य सड़क पर लालमनिचक गांव के समीप झाड़ी में किसी निर्दयी द्वारा नवजात फेक दिया गया। सूचना पर पुलिस ने लावारिश स्थिति में नवजात को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। पहले तो पुलिस ने बच्ची के शव का शिनाख्त करने का कोशिश किया। जब कुछ पता नहीं चला तो अंततः पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बांका भेज दिया। इसके चार दिन पूर्व गढ़ी कुर्मा - धरमपुर गांव के समीप झाड़ी में लावारिश अवस्था में नवजात मिला। फिर बाद में जिला बाल संरक्षण टीम को सुपूर्द किया।

भक्ति के लिए कोई उम्र की सीमा नहीं होती - रामावतार महाराज

शंभूगंज/बांका। प्रखंड अंतर्गत गढ़ी मोहनपुर सहौड़ा में चल रहे भागवत कथा के दूसरे दिन वृदांवन से पधारे कथावाचक रामा अवतार महाराज ने श्रृष्टि की रचना और ध्रुव कथा का प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को भाव - विभोर कर दिया । कथा वाचक ने बताया कि भगवान विष्णु के आदेश के अनुसार ब्रह्मा ने श्रृष्टि की रचना की। समस्त जीवों की कल्याण के लिए भगवान ने रचना की । सबसे पहले ब्रह्मा ने मनु और सतरूपा को बनाया । दोनों से पांच संतानों की उत्पत्ति हुई। जिससे धीरे - धीरे यह मानव संसार तैयार हुआ। कथा के दूसरे सत्र में कथावाचक ने ध्रुव चरित्र की कथा को सुनाया । बताया कि ध्रुव कथा दृढ़ संकल्प , अटूट विश्वास और भक्ति को महत्व का संदेश देती है। बताया कि भक्ति के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती है। ध्रुव ने मात्र पांच वर्षों की उम्र में भक्ति की शुरुआत की थी । भक्ति में ध्रुव को काफी कष्ट का सामना करना पड़ा । इसके वाबजूद भी वे कर्तव्य पथ से विमुख नहीं हुए । अंततः भगवान को भक्त के सामने आना पड़ा । बताया कि जो मनुष्य भक्त ध्रुव की तरह लक्ष्य की तरफ बढ़ता है , उसे निश्चित सफलता मिलेगी । आयोजन की सफलता में अभय उर्फ मुन्ना सिंह , अरविंद सिंह , ऋषि राज , ऋतु राज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के तहत चलाया गया विशेष सफाई अभियान

बिहार पत्रिका, बांका। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देश पर जिले में स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के तहत मंगलवार को नगर परिषद, बांका और नगर पंचायत, अमरपुर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद बांका एवं कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत अमरपुर स्वयं मौजूद रहकर सफाई कार्यों की निगरानी की और सफाई कर्मियों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाया। नगर परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई की गई। जगह-जगह फैले कचरे को इकट्ठा कर उसका उचित निस्तारण किया गया। इसी क्रम में सफाई कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश भी दिया गया ।

शौचालय निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों को लेकर की गई बैठक आयोजित

बिहार पत्रिका, बांका। प्रखंड विकास पदाधिकारी, धोरैया के अध्यक्षता में महादलित टोला में शौचालय निर्माण, यूजर चार्ज कलेक्शन, पैडल रिक्शा मरम्मत एवं अन्य विकास कार्यों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विकास मित्र, स्वच्छता पर्यवेक्षक, बीसी और बीपीएम , जीविका के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया। बैठक में महादलित टोला में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए शौचालय निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और यूजर चार्ज कलेक्शन की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। इसके अलावा, क्षेत्र में उपयोग किए जा रहे पैडल रिक्शा के रखरखाव और मरम्मत को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वच्छता पर्यवेक्षक ने बताया कि शौचालय निर्माण के कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय बढ़ाया जा रहा है। वहीं, जीविका समूहों के माध्यम से यूजर चार्ज कलेक्शन प्रणाली को सुचारू करने पर भी जोर दिया गया।

बांका:महादलित बस्ती में चलाया गया जागरूकता अभियान

बिहार पत्रिका,बांका। उप-विकास आयुक्त के अध्यक्षता में फुल्लीडर प्रखंड के तेलिया पहाड़ पंचायत के वार्डनं 1 ग्राम-नौगाय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोला में महादलित जागरूकता कार्यक्रम के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उक्त वार्ड टोला के महादलित परिवारों, लोगों के साथ एक बैठक आयोजित किया गया।इस बैठक में उन्हें सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया गया। महादलित टोला के लोगो की समस्याओं को सुना गया। महादलित टोला में आवास प्लस 2.0 सर्वे के तहत सर्वेक्षित परिवारों की जाँच की गई । जाँच के क्रम में सभी सर्वेक्षित परिवार योग्य पाए गए तथा सर्वे के क्रम में किसी से भी पैसा लेने की बात सामने नहीं आई। उक्त महादलित टोला में ग्रामीणों द्वारा एक सामुदायिक भवन के निर्माण हेतु अनुरोध किया गया। साथ ही नल-जल योजना का पानी नहीं पहुंचने की शिकायत की गई। महादलित टोला में बिजली के सभी पोलो पर बल्ब/लाइट की व्यवस्था करने के लिए मुखिया को निर्देशित किया गया। साथ ही एक चापाकल लगाने का भी अनुरोध किया गया जिसे पीएचईडी द्वारा कराए जाने हेतु पीएचईडी को निर्देशित किया गया। उक्त टोला के शौचालय विहीन परिवारों में शौचालय बनाने के लिए उक्त पंचायत के सवच्छता पर्यवेक्षक को निर्देशित किया गया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित पुरुष/महिला का आवेदन प्रात्र कर सभी को लाभ देने के लिए पंचायत सचिव को निर्देशित किया गया।

समस्तीपुर: विभिन्न मांगों को लेकर डीआरएम के समक्ष धरना-प्रदर्शन

रेल चक्का जाम करने को रेल प्रशासन मजबूर न करे- रेल विस्तार एवं विकास मंच

बिहार पत्रिका। समस्तीपुर

तमाम प्रक्रिया पूरा कर चिर प्रतिक्षित भोला टाकीज, मुक्तापुर रेल गुमटी पर औवरब्रीज निर्माण कार्य जल्द शुरू करने, कर्पूरीग्राम-ताजपुर-महुआ-भगवानपुर, केबल स्थान-कर्पूरीग्राम, दलसिंहसराय-पटोरी नई रेल लाईन योजना को मंजूरी देने, माधुरी चौक स्थित चिल्ड्रेन पार्क को जीर्णोद्धार करने, रेल कारखाना में पीओएच निर्माण शुरू करने, अटेरन चौक पर रेल औवरब्रीज को मंजूरी देने, मंडल रेल अस्पताल को केंद्रीय अस्पताल का दर्जा देने आदि मांगों को लेकर समस्तीपुर रेल विकास एवं विस्तार मंच के तत्वावधान में बुधवार को डीआरएम के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया।

जिले के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में विभिन्न दलों के कार्यकर्ता अपने-अपने हाथों में मांगों से संबंधित तख्तियां, बैनर लेकर डीआरएम चौक पहुंचकर डीआरएम के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ता घंटों नारेबाजी करते रहे। तत्पश्चात प्रदर्शन धरना में तब्दील हो गया। धरना की अध्यक्षता शंकर यादव एवं संचालन शशिभूषण शर्मा ने किया। सभा को भाकपा माले के सुरेंद्र प्रसाद सिंह, जीबछ पासवान, उपेंद्र राय, अशोक कुमार, अशोक राय, सोनेलाल पासवान, तनंजय प्रकाश, राजकुमार दास, दिनेश कुमार, कांग्रेस के विश्वनाथ सिंह हजारी, राजद के राम विनोद पासवान, अकबर अली, माकपा के रघुनाथ राय, सत्यनारायण सिंह, भाकपा के राजेंद्र राय, रामदयाल महतो समेत हरे कृष्ण राय, विवेकानंद शर्मा, मनोहर राम, सुरेंद्र राम, पलटू राम, शिक्षाविद् शाह जफर ईमाम, नंदू महतो, सेवानिवृत्त सैनिक रामबली सिंह समेत कई दलों के कार्यकर्ताओं ने सभा को संबोधित किया।

मौके पर सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले के सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि सर्वदलीय संगठन समस्तीपुर रेल विकास एवं विस्तार मंच जिले में रेल का विकास एवं विस्तार के लिए समर्पित संगठन है। इसके बैनर तले डीजल शेड, टुनटुनिया गुमटी औवरब्रीज, माधुरी चौक औवरब्रीज समेत कई अन्य मुद्दे पर आंदोलनात्मक जीत मिली है। कर्पूरीग्राम-ताजपुर-महुआ-भगवानपुर, केबल स्थान-कर्पूरीग्राम, दलसिंहसराय-पटोरी नई रेल लाईन, रेल कारखाना में पीओएच निर्माण कार्य शुरू करने, माधुरी चौक पर चिल्ड्रेन का जीर्णोद्धार करने, मुक्तापुर-कुशेश्वर स्थान नई रेल लाईन योजना को मंजूरी देने समेत जिले में रेल का विकास एवं विस्तार के लिए संघर्षरत है।

चीनी मिल मजदूर यूनियन के पूर्व नेता शशिभूषण शर्मा ने कहा कि समस्तीपुर के सांसद सांभवी चौधरी द्वारा भोला टाकीज औवरब्रीज निर्माण कार्य का शिलान्यास कर दिया गया फिर निर्माण कार्य बंद क्यों है। क्या निर्माण प्रक्रिया को नजरअंदाज कर 2025 विधानसभा चुनाव में क्रेडिट लेने के चक्कर में सांसद द्वारा कार्यारंभ का शिलान्यास कर दिया गया है? सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शाह जफर ईमाम ने कहा कि सर्वविदित है कि औवरब्रीज निर्माण कार्य हेतु न जमीन अधिग्रहण किया गया है और न ही जमीन खाली कराया गया और न ही विभाग से वर्क आर्डर मिला है। सांसद काम में नहीं बतकही में माहिर हैं। कभी समस्तीपुर को उनके जीतने के बाद जानने लगना तो कभी गंडक नदी में रिवर फ्रंट बनवाने फिर कभी समस्तीपुर स्टेशन का नाम कर्पूरी ठाकुर स्टेशन करने का हास्यास्पद ब्यान देती रहती है जबकी आज तक एक भी काम सांसद द्वारा नहीं कराया गया है। उन्होंने सरकार एवं विभागीय स्तर से तमाम प्रक्रिया को जल्द पूरा कर निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की।

मंच के संयोजक शत्रुघ्न पंजी ने सभा को संबोधित करते हुए डीआरएम के समक्ष धरना-प्रदर्शन के बाद अगली कड़ी में रेल कारखाना पर अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन आंदोलन करने की चेतावनी डीआरएम को देते हुए जिलेवासियों, सभी संगठन एवं राजनीतिक दलों से समस्तीपुर रेल विस्तार-विकास मंच से जुड़कर मजबूत बनाने की अपील की है।

अंत में डीआरएम को संबोधित 7 सूत्री मांग पत्र डीआरएम को सौंप कर तत्काल कारवाई करने अन्यथा रेल चक्का जाम समेत अन्य धारावाहिक आंदोलन चलाने की घोषणा की गई।

सहरसा से नई दिल्ली/आनंद विहार के लिए चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन अविध में विस्तार

बिहार पत्रिका। रामरूप राय

समस्तीपुर ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनके सुविधाजनक आवागमन हेतु सहरसा से नई दिल्ली/आनंद विहार के लिए चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन अविध में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

1. गाड़ी सं. 05577 सहरसा-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब सहरसा से 01.04.2025 से 09.04.2025 तक गुरूवार एवं शनिवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन चलायी जाएगी ।
2. गाड़ी सं. 05578 आनंद विहार-सहरसा स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब सहरसा से 03.04.2025 से 11.04.2025 तक शनिवार एवं सोमवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन चलायी जाएगी।

सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

बिहार पत्रिका।समस्तीपुर

जी एम आर डी कॉलेज मोहनपुर राष्ट्रीय सेवा योजनाइकाई के तत्वावधान में विशेष शिविर का आज दिनांक 02/04/25 को समापन हुआ। सभी अतिथियों व शिक्षकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर व लक्ष्य गीत से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस शिविर में सात का दिनों का फीडबैक राजा कुमारी, आदर्श कुमार व प्रीति कुमारी ने प्रस्तुत किया जबकि रिपोर्ट डॉ लक्ष्मण यादव ने पेश किए। स्वागत भाषण डॉ सूर्य प्रताप व कार्यकम की अध्यक्षता वरीय प्राध्यापक डॉ संतोष कुमार ने किया। स्वयंसेवकों द्वारा नशामुक्ति, दहेज़ प्रथा, छठ महापर्व व झिझिया गीत पर स्वयंसेवकों ने अपना प्रदर्शन किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. कृष्णदेव राय, विशिष्ट अतिथि श्री आर बी सिंह, डॉ मुकेश कुमार राम, ओम प्रकाश सिंह, अरुण कुमार सिंह,शिवचंद्र राय, दिलीप कुमार,सोनू श्री,डॉ दिनेश प्रसाद,डॉ सूर्य प्रताप,श्री सुनील कुमार पासवान, डॉ चंदन कुमार सिन्हा, कुणाल कुमार इत्यादि के उपस्थिति में स्वयंसेवकों को मेडल, प्रशस्ति पत्र, डायरी व कलम से सम्मानित हुआ। धन्यवाद ज्ञापन श्री अभय कुमार ने किया।

शिविर आयोजन के लिए बीडीओ ने किया कार्यशाला का आयोजन

अप्रैल के मध्य से पंचायत स्तरीय व महादलित टोलों में लगेंगे शिविर

बिहार पत्रिका। त्रिवेणीगंज

सुपौल । प्रखंड के सभी गांवों में महिला सशक्तीकरण और महादलित टोलों में सरकार की चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने और उनका लाभ दिलाने के लिए आगामी दिनों में विशेष विकास शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर प्रखंड परिसर टीपीसी भवन बीडीओ अभिनव कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारी, महिला पर्यवेक्षिका, विकास मित्र, कार्यपालक सहायक, ग्रामीण आवास सहायक, पंचायत रोजगार सेवक, टोला सेवक, स्वच्छता पर्यवेक्षक, जीविका उत्प्रेरक और किसान सलाहकार शामिल हुए। बीडीओ ने बताया कि प्रखंड में महादलित टोले हैं। जहां तिथिवार विकास शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में जीविका के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को लेकर महिला संवाद का आयोजन होगा। इस दौरान महिलाओं के विकास के लिए चल रही सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करते हुए उनका लाभ दिलाने की दिशा में सार्थक पहल की जाएगी। वहीं, महादलित टोलों में शिविर के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए महादलितों के उत्थान के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके लिए प्रखंड और पंचायत स्तर के कर्मी सहयोग करेंगे। कार्ययोजना को अमली जामा पहनाने के लिए जीविका डीपीएम को पंचायतों में जागरूकता अभियान चलाने के लिए नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। उक्त बैठक में थाना अध्यक्ष त्रिवेणीगंज रामसेवक रावत, बीपीआरओ मनीष कुमार, सीडीपीओ, आदि कई पदाधिकारी मौजूद।

पारिवारिक कलह; पति-पत्नी ने खाया जहरीला पदार्थ,पत्नी की मौत, पति की स्थिति नाजुक

बिहार पत्रिका।बाराहाट

बांका। जिले से बड़ी खबर सामने आई है, जहां आपसी विवाद के चलते पति-पत्नी ने जहरीला पदार्थ लिया। जिसमें पत्नी की मौत हो गई और पति की हालत नाजुक बताई जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। यह घटना पंजवारा थाना क्षेत्र के चचरा गांव की है. जिसमें पत्नी कीर्ति कुमारी 19 वर्ष की मौत हो गई जबकि संतोष मंडल की हालत नाजुक बताई जा रही है। घरवालों को इस बात की जानकारी तब हुई जब स्थिति ज्यादा खराब होने के बाद पति-पत्नी बंद कमरे को खोल बाहर निकले और उल्टियां करने लगे। पति संतोष मंडल की गंभीर स्थिति को देखते हुए पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाराहाट लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पति संतोष मंडल के गंभीर स्थिति को देखते हुए मायागंज अस्पताल भागलपुर रेफर कर दिया गया। मृतका का मायका बौंसी थाना क्षेत्र के झपनिया गांव में है। बताया जा रहा है कि कीर्ति कुमारी की शादी 2024 में संतोष मंडल के साथ हुई थी। बाराहाट थाना क्षेत्र के सिरोडीह गांव निवासी संतोष मंडल अपने ननिहाल चचरा गांव में मकान बनाकर रहता है। पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद हुआ करता था। मंगलवार की रात्रि भी दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा होने की बात बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पंजवारा थाना अध्यक्ष मनीष कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे कर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

मेंटेनेंस राशि के अभाव में जलमिनर 6 महीने से फांक रही है धूल

ग्रामीण पानी की किल्लत से जूझने को मजबूर

बिहार पत्रिका। उमाकांत साह

चांदन/बांका। प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी बारने पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 9 नोनिया गांव सहित प्रखंड के विभिन्न में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल सात निश्चय योजना के तहत बनी जलमिनर अब पोल खोलती नजर आ रही है। कहीं मोटर खराब तो कहीं पंप संचालक की लापरवाही के कारण जलमिनर से पानी सप्लाई ठप पड़ा हुआ है. जिससे ग्रामीण पानी के लिए इधर-उधर भटक कर रोज मर्रा की जिंदगी जीने को मजबूर हो गया है. नोनिया गांव के वार्ड सदस्य प्रतिनिधि अशोक मंडल आदि ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बना जल मीनार विगत 6 महीने से खराब पड़ा है। बार-बार पीएचडी विभाग को सूचना देने के बावजूद भी इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। दूसरे में पंप संचालक की लापरवाही प्रतीत होती है कि अब तक इस पर कोई ठोस कदम लेने के बजाय दूसरे के हाथों में सौंप कर प्रदेश चला गया है. जिससे जल मीनार की दशा दयनीय स्थिती बन गई है। जलमेयर खराब होने से टंकी के नीचे रखा अन्य उपकरण खराब होती जा रही है। बताया गया कि पानी सप्लाई बंद होने से घरों में लगाए गए सभी नल पॉइंट पाइप टूटकर बिखर गया है। वही इस परिपेक्ष में पीएचडी विभाग के जूनियर अस्सिटेंट राजीव कुमार ने बताया कि चांदन प्रखंड क्षेत्र सभी बंद पड़े जल मीनार का निरीक्षण किया जा रहा है, फिलहाल मेंटेनेंस राशि के अभाव में जल मीनार में खराब उपकरण बदला नहीं गया है। मेंटेनेंस राशि उपलब्ध होते ही सभी खराब पड़े जलमिनर अति शीघ्र चालू कर दिया जाएगा। ताकि भीषण गर्मी में लोगों को पानी की किल्लत से जूझना नहीं पड़े। साथ ही उन्होंने पंप संचालक की लापरवाही की बात पर बताया कि, चिन्हित पंप संचालक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

प्रगति पथ अकैडमी का दूसरा ब्रांच हुआ शुभारंभ

बिहार पत्रिका,गया ।मानपुर प्रगति पथ एकेडमी के दूसरे शाखा के ग्रैंड ओपनिंग समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर तैयार किया गया है। प्रगति पत्र अकादमी के प्रिंसिपल देव कुमार ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि 2001 से मैं शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ा हूं और अब मेरे स्कूल का यह दूसरा ब्रांच मानपुर बाजार के समीप खुला है। आगे उन्होंने बताया कि अभिभावकों पर भरोसा करके हमने दूसरा ब्रांच यह खोला है और अब इसमें आधुनिक सुविधाओं से लैस यह ब्रांच संचालित किया जाएगा, जहां बच्चों को मॉडर्न एजुकेशन देने के लिए तत्पर है।प्रगति पथ अकादमी की खास बात यह है कि यहां पर शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिया जाता है। प्रगति पथ अकादमी के भविष्य के बारे में जिक्र करते हुए बताया कि यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में हम दोनों भाई कृष्णा प्रसाद और देव कुमार मिलकर क्रांति लाएंगे जिससे समाज में गरीब बच्चों को कम फीस पर उत्तम शिक्षा दी जाएगी। समाजसेवी प्रकाश राम पटवा ने कहा कि शिक्षा शेरनी का वह दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा[1]। वहीं, मौके पर उपस्थित पटवा समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रेम नारायण पटवा ने कहा कि शिक्षा से व्यक्ति को ज्ञान और कौशल प्राप्त होता है, जो अपने जीवन में आगे बढ़ने एवं अपने सपने को पूरा करने में मदद करता है। वहीं वर्तमान अध्यक्ष प्रेमलाल पटवा ने कहा कि शिक्षा के बिना व्यक्ति का जीवन अधूरा है और शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत करें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहें। वही इस उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्रगति पथ एकेडमी के डायरेक्टर कृष्ण प्रसाद, प्रिंसिपल देव कुमार और साथ में वॉइस प्रेसिडेंट बिहार इंडस्ट्री एसोसिएशन प्रेम नारायण पटवा,अध्यक्ष प्रमोद पटवा, जितेंद्र पटवा, दुखन पटवा, महावीर चौधरी, शिक्षक वीरेंद्र कुमार, किशन कुमार, सन्नी कुमार, सुजीत कुमार, शिक्षिका नेहा मैम, पूजा वर्मा, सरस्वती कूमारी एवं अन्य लोग भी उपस्थित रहें हैं।

प्रखंडों में तेज गति से किया जा रहा चापाकल की मरम्मत का कार्य

बिहार पत्रिका, बांका। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में चापाकल मरम्मती दल को सक्रिय रूप से रवाना किया गया है। यह दल खराब पड़े चापाकलों की सूचना मिलते ही संबंधित स्थल पर जाकर उनकी मरम्मत कर रहा है, ताकि आमजन को पेयजल की सुविधा में कोई बाधा न आए। इसके साथ ही, जिला पदाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में चापाकल एवं पेयजल आपूर्ति की नियमित जांच की जा रही हैं। प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर पेयजल व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं, जिससे कि कोई भी गांव या टोला पेयजल संकट से प्रभावित न हो। इसी क्रम में, बाराहाट सहित अन्य प्रखंडों में भी चापाकल की मरम्मत का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। चापाकल तथा रहर घर नल जल योजना में पेयजल की समस्या की सूचना एवं उसके समाधान हेतु विभागीय Toll Free No. 18001231121 एवं जिला नियंत्रण कक्ष 06425- 223001, 223004 तथा संबंधित प्रखण्डों के कनीय अभियंताओं / सहायक अभियंताओं / प्रमंडलीय नियंत्रण कक्ष के सभी कार्य दिवस को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक शिकायत दर्ज करायी जा सकती है।

सेंध मारी कर उड़ाया लाखों का जेवर बर्तन

बिहार पत्रिका, चांदन/बांका।प्रखंड अंतर्गत आनंदपुर थाना के चंदवारी पंचायत अंतर्गत तरगांव में बीते रात अज्ञात चोर ने घर में सेंध मारी कर घर में रखे बक्सा तोड़कर लगभग 55 तोला चांदी का जेवर एवं 20 किलो के लगभग कांसा का बर्तन चोरी कर ले गया. घटना के संबंध में पीड़ित गणेश यादव ने आनंदपुर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। आवेदन में बताया कि बीते रात मंगलवार को जब खाना खाकर सभी परिवार सो गए। इसी बीच रात के 3:00 बजे के करीब घर की एक महिला सदस्य शोच करने बाहर निकली तो देखा कि घर के पीछे दीवार में बहुत बड़ा सेंध मार दिया है। हो हल्ला करने पर जब सब परिवार उठकर देखें तो घर में रखा बक्सा टूटा मिला, जिसमें जेवर एवं बर्तन रखा था, चोर सभी ले गए। आसपास खोजबीन करने पर घर के बगल में दो खाली अटैची और कुछ कपड़े एवं कागजात मिला। इधर घटना की जानकारी पर आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार के आदेशानुसार एस आई नंदकिशोर पासवान आदि पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन कर रही है वही इस संबंध में थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं पुर्व की तरह आनंदपुर थाना क्षेत्र में हो रही सेंध मारी की घटना से लोगों दहशत व्याप्त है।

पहले दो समन में पेश नहीं हुए कामरा को थमाया तीसरा समन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक था- एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड। कामरा ने लिखा-आज के दौर में कलाकारों के पास दो ही विकल्प हैं - या तो अपनी आत्मा बेचकर डॉलर की कठपुतली बन जाएं या फिर चुपचाप खत्म हो जाएं। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी।

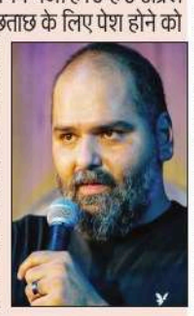

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी, एयर एंबुलेंस से ले जाया जाएगा दिल्ली

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत पिछले दो दिनों से बिगड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि उनका ब्लड शुगर बढ़ गया है, जिससे उनके एक पुराने जख्म में तकलीफ बढ़ गई है। राबड़ी आवास में डॉक्टरों की टीम उनकी देख-रेख कर रही है। डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। आज बुधवार को एयर एंबुलेंस से उन्हें दिल्ली ले जाने की बात सूत्र बता रहे हैं। इससे पहले 26 मार्च को गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ प्रदर्शन में वे तेजस्वी यादव के साथ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि सरकार को देखना चाहिए, हम इसके विरोध में हैं। जनता सब समझ रही है। यहां बताते चलें कि लालू यादव के अनेक बड़े ऑपरेशन हो चुके हैं। इनमें 2014 में ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी, जिसमें एऑर्टिक वॉल्व बदला गया था। 2022 में सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ, बेटी रोहिणी आचार्य ने किडनी डोनेट की थी। सितंबर 2024 में मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई थी, जिसमें एक स्टेंट लगाया गया था। 76 वर्षीय लालू यादव की तबीयत पहले भी कई बार खराब हो चुकी है, लेकिन इस बार शुगर लेवल बढ़ने के कारण डॉक्टर ज्यादा सतर्कता बरत रहे हैं।

अनंत अंबानी ने पदयात्रा में 250 मुर्गियों की जान बचाई

जामनगर (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पदयात्रा चल रही है। वह अपने जन्मदिन पर द्वारकाधीश जाकर भगवान द्वारकाधीश का आशीर्वाद लेंगे। मंगलवार को वह पाटिया गांव पहुंचे। पदयात्रा के दौरान रास्ते में 250 मुर्गा-मुर्गियों को बाजार में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। उन्होंने रोककर दुगनी कीमत देकर 250 मुर्गा मुर्गियों को आजाद करवा दिया। अनंत अंबानी पक्षियों और पशुओं के प्रति काफी संवेदनशील हैं। जामनगर में उन्होंने वन तारा नाम से एनिमल रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित कर रखा है। जिसे प्राणी मित्र के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

गो तस्करों और सीआईए टीम के बीच हुई मुठभेड़, 2 तस्कर घायल, जवान को लगी गोली

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह जिले में 14 दिनों में तीसरी मुठभेड़ हुई है। मंगलवार को तावडू सीआईए की टीम और गो तस्करों के बीच गांव सीलखो पहाड़ के पास मुठभेड़ हो गई। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस मुठभेड़ में दो गो तस्कर, सलीम (पुत्र जुम्मे खां, निवासी पचगांव) और साजिद (पुत्र इसाक, निवासी नागलपुर) घायल हो गए। दोनों को शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से दो अवैध बंदूकें, एक कारतूस, चार खाली कारतूस, एक मिस कारतूस, एक चाकू, एक कुल्हाड़ी, तीन गोवंश, एक मोटर साइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई के दौरान दो तस्कर घायल हुए हैं। यह जिले में 14 दिनों के भीतर गो तस्करों और पुलिस के बीच तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 18 मार्च को तावडू सीमा के गांव गुरनावट में रेलवे ट्रैक के पास आडवाणी गैंग के तीन गो तस्कर पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुए थे, जबकि तीन अन्य फरार हो गए थे। इसके बाद नूंह-सोहना सड़क पर नूंह सीआईए की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में दो गो तस्कर भाग निकले थे। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में गो तस्करी के खिलाफ पुलिस की सख्ती को उजागर किया है। जांच जारी है और पुलिस फरार संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

भारतीय नौसेना का बड़ा एक्शन, आईएनएस तरकश ने 2500 किलोग्राम मादक पदार्थ किए जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत संचालित होने वाले फ्रिगेट आईएनएस तरकश ने हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को रोका और जब्त किया। यह अभियान क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा प्रयासों के तहत चलाया गया। 31 मार्च को गश्त के दौरान आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से संदिग्ध जहाजों के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके बाद नौसेना ने फ्रिगेट का मार्ग बदल दिया और एक नाव को रोकने से पहले आस-पास के कई जहाजों की जांच की।

64 साल बाद गुजरात में कांग्रेस करेगी अधिवेशन, खोई ऊर्जा हासिल करने का प्रयास

यह सत्र 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों के मद्देनजर एक शुरुआती कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 64 साल के लंबे अंतराल के बाद गुजरात में अपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन की मेजबानी करने जा रही है। यह ऐतिहासिक सत्र 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में होगा। इससे पहले गुजरात में आखिरी एआईसीसी सत्र 1961 में भावनगर में हुआ था। गुजरात में अपने अस्तित्व के संकट और राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही चुनावी हार के बीच पार्टी इस सत्र के जरिए नई ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

यह एआईसीसी सत्र कई ऐतिहासिक संयोगों के कारण खास है। यह साल महात्मा गांधी की एकमात्र कांग्रेस अध्यक्षीय कार्यकाल की शताब्दी और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। कांग्रेस 8 अप्रैल को शाहिबाग स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक करेगी, जबकि 9 अप्रैल को साबरमती नदी के किनारे मुख्य एआईसीसी सत्र आयोजित होगा। सरदार पटेल की विरासत पर फिर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति? बीते एक दशक में बीजेपी ने सरदार पटेल की विरासत को बड़े स्तर पर अपनाया है और कांग्रेस को इससे दूर करने का प्रयास किया है। ऐसे में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा गुजरात में यह आयोजन महज संयोग नहीं माना जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी पटेल समुदाय के समर्थन को फिर से पाने की कोशिश कर रही है, जो माधवसिंह सोलंकी की क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम सोशल इंजीनियरिंग के बाद कांग्रेस से दूर होता गया था। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इस आयोजन के राजनीतिक मायनों से इनकार किया है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि आप सरदार पटेल को किसी एक समुदाय के नजरिए से नहीं देख सकते। वे पूरे राष्ट्र के नेता थे। गुजरात में कांग्रेस पिछले कई दशकों से लगातार कमजोर हो रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 2022 में यह घटकर 17 सीटों पर आ गई। अब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और पार्टी इस सत्र के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करेगी।

भारत ने भी भेजी 400 टन राहत सामग्री म्यांमार, तलाशी अभियान में भी जुटी भारतीय टीम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। म्यांमार में भूकंप के बाद भारत ने मदद के हाथ बढ़ाया था। भारत ने मंगलवार को फिर 400 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। इसके अलावा भारत ने राहत-बचाव और तलाशी अभियान के लिए टीम भी भेजी है। भारत सरकार ऑपरेशन ब्रह्मा के जरिए म्यांमार में भूकंप पीड़ितों की मदद कर रहा है। बता दें शुक्रवार को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें करीब 2 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। भारत मांडले एयरपोर्ट पर एक अस्पताल भी चला रहा है जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है। वहीं 80 सदस्यों वाली एनडीआरएफ टीम इमारतों के मलबे से लोगों को निकालने का काम कर रही है। मंगलवार को विशाखापट्टनम पोर्ट से आईएनएस घड़ियाल को 442 मीट्रिक टन राहत सामग्री के साथ रवाना किया गया है। वहीं एसी-130 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिए 16 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। 30 टन राहत सामग्री पहले ही म्यांमार पहुंचाई जा चुकी है। इसमें खाने का सामान, टेंट और दवाइयां थीं। आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 50 टन सामग्री लेकर म्यांमार पहुंच चुका है। म्यांमार में तेज भूकंप के बाद भी कई झटके आए हैं। ऐसे में लोग डरे हुए हैं और वे अपने घर जाने को तैयार नहीं हैं। बड़ी संख्या में लोग खुले में या फिर टेंट में रहने को मजबूर हैं। अधिकारियों का कहना है कि पड़ोसी प्रथम की नीति के तहत भारत ने तुरंत ही राहत और बचाव के लिए इंतजाम शुरु कर दिए थे। भारत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सबसे पहले मदद का हाथ आगे बढ़ाता है।

महाराष्ट्र में किसान की अपील, किडनी, लीवर और आंखे ले लो, और कर्ज से मुक्ति दे दो

वाशिम (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में एक किसान ने महाराष्ट्र सरकार की नीति के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया है। अडोली गांव निवासी किसान सतीश ईडोले वाशिम के मुख्य मार्केट पहुंचे। जहां उनके गले में एक बैनर लटका हुआ दिखा। बैनर पर लिखा था किसानों के शरीर के अंग मोल ले लीजिए और कर्ज से मुक्ति दे दीजिए उसके नीचे शरीर के अंगों की कीमत डाल रखी थी। इसमें किडनी की कीमत 75 हजार, लीवर 90 हजार, आंखें 25 हजार रुपए लिखी गई थी।

किसान ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिला अधिकारी कार्यालय की ओर से लिखित पत्र भी भेजा है। पत्र में लिखा है कि चुनाव के पहले देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि उनकी सरकार आएगी, तब किसानों का कर्ज माफ करेगी। मेरे पास कर्ज चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं और आत्महत्या के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं दिख रहा है। किसान ईडोले के पास 2 एकड़ खेत है। बताया जाता है कि किसान पर महाराष्ट्र बैंक का 1 लाख रुपये के आसपास का क्रॉप लोन बकाया है। किसान सतीश ने कहा कि चुनाव से पहले वादा किया था कि अगर उनकी सरकार आई, तब किसानों का कर्ज माफ होगा। लेकिन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने हाल ही में कहा है कि कर्ज माफ नहीं होगा। किसान कर्ज का भुगतान करें। किसान ने सरकार से कहा कि उसकी किडनी की कीमत से भी उसका कर्ज अदा नहीं हुआ, तब उसकी पत्नी की किडनी 40 हजार, बड़े बेटे के किडनी की 20 हजार और छोटे बेटे की किडनी 10 हजार रुपए में ले लिया जाए और कर्ज से मुक्ति दे दिया जाएगा।

अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा

राजस्थान में पारा पहुंचा 42 डिग्री के पार, दक्षिण में हल्की से मध्यम बारिश असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी दी है।

वहीं दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में हल्की बारिश की संभावना बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है।

वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ है। यहां भी अगले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान सामान्य से ऊपर जा रहा है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन मैदानी हिस्सों में गर्मी ने अपनी पकड़ बना ली है।

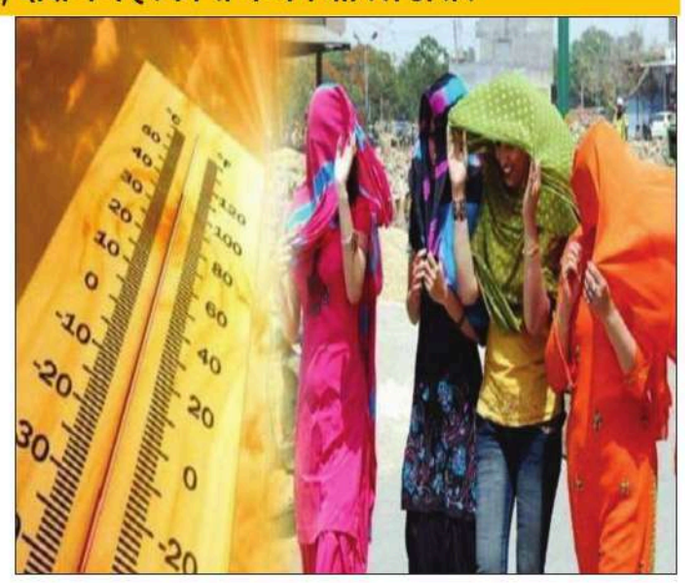

सोनिया गांधी को केंद्रीय मंत्री प्रधान का जबाव, एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के शिक्षा नीति को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सोनिया गांधी ने हाल ही में मोदी सरकार पर शिक्षा क्षेत्र में केंद्रीकरण, कारोबारीकरण और सांप्रदायिकरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव है, जो भारत को बौद्धिक उपनिवेशवाद से मुक्त करने की दिशा में बढ़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने एक अग्रेंजी अखबार में एक लेख के जरिए तर्क दिया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने भारत की शिक्षा प्रणाली की काफी अनदेखी की, जिससे संस्थानों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन तेजी से बढ़ा। उन्होंने 2009 में हुए डीम्ड विश्वविद्यालय घोटाले का हवाला देकर कहा कि बिना उचित मूल्यांकन के कई निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय का दर्जा दे दिया गया था, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता काफी प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को धन की कमी का सामना करना पड़ा, और शिक्षा प्रणाली औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ी रही। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने पाठ्यपुस्तकों में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को कम दिखाया गया, जबकि विदेशी आक्रमणों का महिमामंडन किया गया। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 इन पुरानी नीतियों से एक निर्णायक विराम है, और इसे व्यापक लोकतांत्रिक परामर्श के बाद लागू किया गया है। शिक्षा मंत्री ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर कहा कि 2014 के बाद से महिलाओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि महिला पीएचडी नामांकन में 135 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और एसटीईएमएम क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके अलावा, सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाया जा रहा है।

तमिलनाडु में नीट को लेकर 8 सालों में 20 परीक्षार्थियों ने की खुदकुशी

राज्य की मुख्य पार्टियां भी हटाना चाहती हैं नीट, नहीं मिल रही सफलता

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में कम-से-कम 20 नीट के परीक्षार्थी खुदकुशी कर चुके हैं। राज्य की मुख्य पार्टियां भी नीट को हटाना चाहती हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है। तमिलनाडु में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा ने हाल ही में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्रा ने साल 2021 में 12वीं की परीक्षा पास की थी। वह पिछले तीन सालों से नीट-यूजी की परीक्षा दे रही थी, लेकिन सफल नहीं हो सकी। इस साल 4 मई को होने वाली नीट की परीक्षा को लेकर वह तनाव में थी। इस घटना के बाद तमिलनाडु की विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के महासचिव के पलानीस्वामी ने सत्ताधारी पार्टी डीएमके को घेरा है। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा- डीएमके ने यह कहकर कि अगर वह सत्ता में आई तो तमिलनाडु में नीट नहीं होगा, झूठ बोला है और छात्रों को धोखा दिया है। क्या नीट की वजह से लगातार होती मौतें डीएमके के लिए चिंता का विषय नहीं है? एक रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में 20 नीट प्रतियोगी खुदकुशी कर चुके हैं।

यह राज्य में एक बड़ा मुद्दा है। राज्य की दोनों बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके नीट का विरोध करती हैं। दोनों पार्टियां राज्य विधानसभा में नीट के खिलाफ प्रस्ताव भी पारित कर हैं। एमबीबीएस और बीडीएस जैसे अंडर-ग्रैजुएट मेडिकल कोर्सों में दाखिले के लिए होने वाली नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा में कक्षा 12वीं पास करने के बाद बैठा जा सकता है। इसके जरिए युवा विद्यार्थियों को देश के सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों में दाखिला मिलता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले दशक में मेडिकल सीटों के लिए होने वाली परीक्षा के प्रारूप में काफी बदलाव हुए। साल 2013 से पहले मेडिकल सीटों पर दाखिले के लिए कई परीक्षाएं होती थीं। कई राज्य और मेडिकल कॉलेज अपनी अलग परीक्षाएं करवाते थे। वहीं, केंद्रीय स्तर पर ऑल इंडिया प्री-मेडिकल टेस्ट लिया जाता था। साल 2013 में पहली बार नीट परीक्षा करवाई गई। इसके बाद के कुछ सालों में कई बदलाव और विवाद हुए जिसके बाद 2017 से हर साल नीट की परीक्षा करवाई जाने लगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 में एक दलित लड़की अनीता ने राज्य की बोर्ड परीक्षाओं में 1200 में से 1176 अंक हासिल किए लेकिन वह नीट में सफल नहीं हो सकीं। उनका कहना था कि वह नीट को समझ नहीं पाई क्योंकि यह सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है और गरीब परिवार से आने के चलते वह कोचिंग नहीं ले सकतीं। अनीता सुप्रीम कोर्ट में नीट को चुनौती देने वाले एक मामले में याचिकाकर्ता भी थीं। जब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि नीट के अलावा किसी और तरीके से मेडिकल सीट पर दाखिला नहीं दिया जाएगा, तो इस फैसले के नौ दिन बाद अनीता ने आत्महत्या कर ली थी।

आलोचकों का कहना है कि नीट के सीबीएसई के पाठ्यक्रम पर आधारित होने की वजह से इसमें तमिल बोर्ड के विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ता है। वे यह भी कहते हैं कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में विद्यार्थी तमिल भाषा में ही पढ़ाई करते हैं और वे नीट परीक्षा में अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन नहीं करते हैं। इसके अलावा, यह तर्क भी दिया जाता है कि नीट की वजह से राज्य की शिक्षा प्रणाली पर नकारात्मक असर हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा- राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं... अखिलेश का तंज

-बोले- योगी को राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना है कि राजनीति उनके लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेतृत्व ने मुझे यूपी की जनता के लिए काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। मैं असल में एक योगी हूं, राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। योगी की इस बात पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने लिखा- दरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं क्योंकि 'सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र' होती है, जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है। योगी इससे पहले भी कह चुके हैं कि वह पहले गोरक्षपीठ के महंत हैं और उसके बाद उन्हें सीएम की जिम्मेदारी मिली थी। उन्होंने अपनी सरकार के 8 साल पूरे होने के मौके पर यह बात कही थी।

वक्फ बिल को लेकर योगी ने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। कोई एक काम भी वक्फ बोर्ड गिना सकता है क्या कि उसने समाज के कल्याण के लिए कोई काम किया है। ये सब व्यक्तिगत स्वार्थ के अड्डे बने हैं। सरकारी संपत्ति पर काबिज होने के ये जरिया बने हुए हैं। हर सुधार का विरोध होता है, लेकिन देश, काल और परिस्थिति के मुताबिक हमें बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका लाभ मुस्लिम समुदाय को होगा और कानून-व्यवस्था का जो संकट खड़ा है, उससे भी मुक्ति मिलेगी।

हिंदू मठ और मंदिर तो गोशाला, कैंटीन, अस्पताल चलाते हैं, वक्फ क्या कर रहा आप हिंदू मठ-मंदिरों को देखते हैं तो वे अपने सीमित संसाधनों से ही वेलफेयर के काम करते हैं। सरकारों से कोई सहयोग नहीं मिलता। फिर भी वे गोशाला, स्कूल, कैंटीन, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जैसे तमाम संस्थान चलाते हैं। गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप देते हैं। किसी वक्फ बोर्ड ने आज तक कोई ऐसा काम किया है क्या।

ये लोग जिस संपत्ति को भी कह देते हैं कि वह वक्फ की है, उसे उनका मान लिया जाता है। यह कहां का क्या न्याय है। किसी भी संपत्ति पर कब्जे की प्रवृत्ति बंद होनी चाहिए और वक्फ का ऑडिट होना चाहिए। पता चलना चाहिए कि उससे समाज के लिए क्या काम हुआ है। समाज की बात छोड़िए। यही बता दें कि आखिर मुसलमानों के लिए ही उन्होंने क्या किया है।

4 अप्रैल से मौसम में आएगा बदलाव, तेज हवाओं व बारिश की चेतावनी जारी

-गुजरात के कच्छ और भावनगर में लू का येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में इस समय मौसम बड़ा असीब हो रता है। राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जो परेशानियों का कारण बन रहा है, जबकि कुछ इलाकों में बेमौसम बारिश की संभावना ने मौसम को और भी जटिल बना दिया है। दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ली है, और यहां बेमौसम बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है।

साथ ही, कच्छ और भावनगर जैसे क्षेत्रों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। यह मौसम का दोहरा रूप राज्य के नागरिकों को तैयार रहने के लिए कहता है, क्योंकि कुछ स्थानों पर तेज हवाओं और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार 2 अप्रैल के लिए कच्छ और भावनगर में लू के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, साबरकांठा, महिसागर, दाहोद, वडोदरा, सूरत, तापी, और कई अन्य जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं, जो मौसम को और चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक 4 अप्रैल तक राज्य में तापमान सामान्य होने की संभावना है, लेकिन तब तक लोगों को अत्यधिक गर्मी और 17 जिलों में बेमौसम बारिश का सामना करना पड़ सकता है। गुजरात के मौसम के इस बदलाव के बीच, यह जरूरी है कि लोग अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सतर्क रहें। वहीं, राजस्थान में 4 अप्रैल को मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। राज्य के 15 जिलों में बारिश और आंधी की संभावना है। इन जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। यह बदलाव राजस्थान में बढ़ती गर्मी से राहत दिला सकता है, लेकिन इसके साथ ही मौसम में अस्थिरता भी आ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल को फिर से मौसम में बदलाव होगा और तापमान में वृद्धि हो सकती है।

राजस्थान में 1 से 3 अप्रैल के बीच राज्य के दक्षिण-पूर्वी इलाकों में बादल छाए रहेंगे, जबकि उत्तर राजस्थान में हल्की से तेज हवाएं 20-30 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। 2 अप्रैल को बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ और कोटा में बारिश की संभावना है, जबकि 3 अप्रैल को अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक में बारिश के साथ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम में अचानक बदलाव आ सकता है।

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉनगा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है। आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय- मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। नि:संदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खीचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली धास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरनो के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यू के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फाल, बिशप फाल, स्वीट फाल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनक्लामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

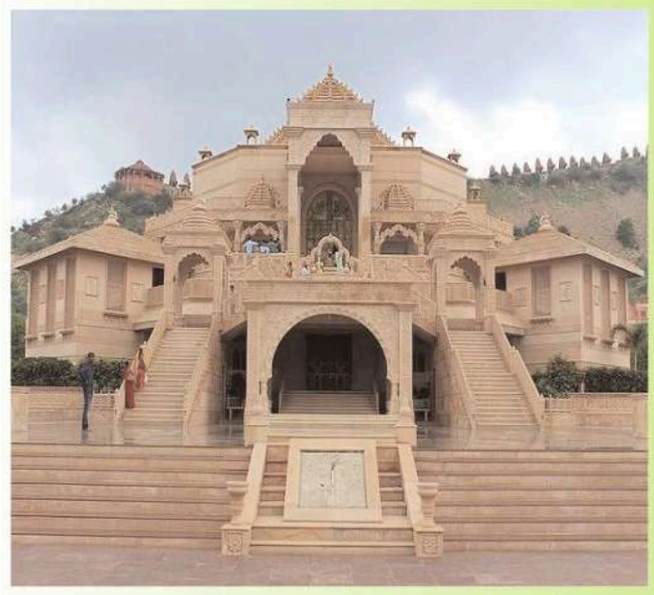

ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

अजमेर शरीफ़

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद ग़ोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढ़ाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले में जीत की राह पर लौटने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। केकेआर का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर होने वाले इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना करेगा। इस सत्र में नये कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ उतरी केकेआर का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। रहाणे ने सत्र के पहले मैच में मिली हार के बाद कहा था कि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है पर तीन मैचों में दो मैच हारने के बाद अब टीम दबाव में नजर आ रही है। इस मैच में माना जा रहा है कि स्पिनरों के अनुकूल पिच रहेगी जिसपर केकेआर के सुनील नरेन, मोईन अली और वरूण चक्रवर्ती प्रभावी हो कसते हैं। वरुण ने चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था पर आईपीएल में अभी तक वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन रहेगा। केकेआर के टीम संयोजन को लेकर भी काफी सवाल उठ रहे हैं। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में समन्वय नहीं दिखता। अनुभवी बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे हैं।

टीम में शामिल नये गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन अब तक प्रभावित नहीं कर सके हैं जबकि एनरिच नॉर्किया चोट के कारण बाहर हैं। बड़ी कीमत परखरीदे गए वेंकटेश अय्यर भी दो मैचों में 9 रन ही बना सके हैं। रिटेन किये गए खिलाड़ियों में रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, हर्षित राणा और रमनदीप सिंह फॉर्म में नहीं हैं। टीम को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो इन सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की भी राह आसान नहीं है। पहले मैच में छह विकेट पर 286 रन बनाने वाली सनराइजर्स पिछले दो मैचों में बल्लेबाजों के असफल होने से 200 रन भी नहीं बना पाई है। बेहद आक्रामक बल्लेबाजी की

रणनीति नुकसान देह रही है। उसे पिछले दो मैचों में लखनऊ सुपर जाइंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में इस मैच में जीत के लिए कप्तान पैट कमिंस कोई कमी नहीं रखना चाहेंगे। टीम को हालांकि जीत के लिए पूरी ताकत लगानी होगी। चुकता करने के लिए अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। उसके पास अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी हैं जो मुकाबले में अंतर पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा बल्लेबाज अनिकेत वर्मा भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करने उतरेंगे। पिछले मैच में अनिकेत ने आक्रामक बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित किया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद :- पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, नितीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल, मोहम्मद शमी, वियान मुल्डर।

कोलकाता नाइट राइडर्स :- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, मनीष पांडे।

लखनऊ सुपरजायंट्स के आक्रामक रुख को लेकर गावस्कर ने कही ये बात

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का आईपीएल के 18 वें सत्र में अब तक का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में एक बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत 2 रन बनाकर ही आउट हो गये। इस दौर जब गावस्कर से कमेंट्री के दौरान पूछा गया कि अच्छे गेंदबाज नहीं होने के कारण ही टीम इतनी तेजी से खेल रही है। तो गावस्कर ने कहा, ÷÷ आपने मुझसे यह सवाल कुछ समय पहले पूछा होता तो अच्छा होता मैंने ऋषभ के साथ काफी समय बिताया है और मैं निश्चित रूप से उनसे पूछता कि क्या यही कारण है कि आप लोग इस तरह से खेल रहे हैं तो शायद वह इसे बेकार सा सवाल मानते।

इस पूर्व कप्तान ने कहा, जब आप सुपरजायंट्स के निकोलस पूरन और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ियों की बात करते हैं तो वे पहले से ही आक्रामक खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वे इसी तरह से खेलते हैं और यह देखना बहुत रोमांचक है। वहीं ऋषभ निचले क्रम में आते हैं, इसलिए उनके पास अच्छी बल्लेबाजी है। साथ ही कहा कि अगर उनके पास पर्याप्त तेज गेंदबाज नहीं हैं, तो आपको तय है कि अधिक रन बनाने होंगे जिससे आपके गेंदबाजों को सहारा मिल सके। टीम के लिए अब तक यह आईपीएल अधिक अच्छा नहीं रहा है। उसे अब तक 3 मैच में से केवल एक में ही जीत मिली है। वहीं दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

अब चेन्नई में होने वाले छह मैचों में ही नजर आयेंगे धोनी : फ्लेमिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे एक ही मैच में जीत मिली है। टीम के मुख्य बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं दिखते और निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। इसी को लेकर अब टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अहम खुलासा किया है। फ्लेमिंग ने कहा है कि फ्लेमिंग की फिटनेस अब पहले की तरह नहीं है और उनपर अधिक बोझ नहीं डाला जा सकता। इसलिए वह सत्र में केवल 6 मैच ही खेल सकेंगे। ये मैच चेन्नई में ही खेले जाएंगे। वहीं अन्य स्थानों पर होने वाले मैचों के लिए उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा।

फ्लेमिंग ने यह भी कहा कि धोनी के घुटने में समस्या है, जिससे वह पूरे 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का सहयोग करने के लिए भेजा जाएगा। ऐसे में उन्हें 9वें या 10वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जा सकता। फ्लेमिंग ने हालांकि धोनी की नेतृत्व क्षमता और विकेटकीपिंग की जमकर प्रशंसा की है। कोच के इस बयान से साफ है कि धोनी की भूमिका अब सीमिल हो गयी है। धोनी इस सत्र में चेन्नई में होने वाले 6 मैचों में ही खेल पाएंगे, क्योंकि बचे हुए मैच दूसरी जगहों पर खेले जाएंगे। इससे साफ है कि धोनी अब बड़ी भूमिका में नहीं दिखेंगे।

यशस्वी जायसवाल का चौंकाने वाला फैसला, मुंबई क्रिकेट का साथ छोड़ा, अब इस टीम के लिए खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने निजी कारणों का हवाला देते हुए अपनी घरेलू टीम मुंबई को छोड़ने का फैसला किया है जिसने उन्हें क्रिकेटर बनाया है। जायसवाल ने मंगलवार को मुंबई क्रिकेट संघ को पत्र लिखकर मुंबई छोड़कर गोवा में जाने की इच्छा जताई और संचालन संस्था ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

जायसवाल के इस चौंकाने वाले कदम से 23 वर्षीय बाएं हाथ के खिलाड़ी 2025-26 सीजन से गोवा के लिए खेलेंगे। एमसीए के एक अधिकारी ने बताया, 'हां, यह आश्चर्यजनक है। उन्होंने

ऐसा कदम उठाने के लिए कुछ सोचा होगा। उन्होंने हमसे खुद को मुक्त करने का अनुरोध किया है और हमने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है।'

जायसवाल ने आखिरी बार मुंबई के लिए 23-25 जनवरी तक जम्मू और कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए लीग राउंड मैच में खेला था। जायसवाल ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 सीजन में अपनी एकमात्र उपस्थिति दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने 4 और 26 रन बनाए थे और मुंबई टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी बार जम्मू और कश्मीर से 5 विकेट से हार गई थी।

जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से जायसवाल भारत के पहले पसंद के सलामी बल्लेबाज रहे हैं और तब से उन्होंने 19 मैच खेले हैं जिसमें सबसे बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करके खुद को मजबूत किया है। टेस्ट में उनका औसत 52 से अधिक है जिसमें चार शतक और 10 अर्द्धशतक शामिल हैं।

बीसीसीआई ने सुपर जायंट्स के गेंदबाज राठी पर लगाया जर्माना

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में आक्रामक अंदाज दिखाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह राठी पर भारी जुर्माना लगाया है। राठी ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद एनिमेटेड नोटबुक अंदाज में जश्न मनाया था। इसके लिए राठी पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही एक नकारात्क अंक भी जोड़ा है। ये पूरा मामला पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी के दौरान तीसरे ओवर का है। तब अंतिम गेंद पर राठी ने प्रियांश को गेंदबाजी की थी। जिसपर इस बल्लेबाज ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद हवा में उछल गयी और वह शार्दुल के हाथों कैच हो गये। प्रियांश जब पवेलियन लौट रहे थे तो राठी उनके पासा आये और कंधा टकराते हुए हवा में ऐसे हाथ हिलाने लगे जैसे किसी काल्पनिक नोटबुक में कुछ लिख रहे हों। अंपायरों ने इसको लेकर राठी से नाराजगी जतायी। ग्नेश से बातचीत भी की थी। राठी ने अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध को मानते हुए मैच रेफरी की बात को माना लिया। इस प्रकार उनपर लेवल 1 के उल्लंघन का मामला बना और आगे की सुनवाई की जरुरत नहीं ही। इस मैच में सुपर जायंट्स को पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है।

चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, पांड्या ऑलराउंडरों में शीर्ष पर

दुबई। भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुष टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि हार्दिक पांड्या बुधवार को जारी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। चक्रवर्ती 706 रेटिंग अंक के साथ न्यूजीलैंड के जेकब डफी (723) और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन (707) से पीछे हैं। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (674) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) क्रमशः सातवें और 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य दो भारतीय गेंदबाज हैं। अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। भारत के बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट तीसरे स्थान पर हैं। दो अन्य भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। पांड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस का नंबर आता है।

हार से निराश ऋषभ बोले, हमने 20 से 25 रन कम बनाये

लखनऊ। आईपीएल में बुधवार को पंजाब किंग्स से मिली हार के बाद लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत निराश नजर आये। ऋषभ की कप्तानी में टीम को इस सत्र में अब तक तीन में से दो मैचों में हार मिली है। हार को लेकर ऋषभ ने कहा कि उनकी टीम की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। साथ ही कहा कि 20 से 25 रन और बनाये होते तो हालात अलग रहते। कप्तान ने हालांकि कहा कि यह खेल में ये होता रहता है। हम घरेलू मैदान का सही लाभ नहीं उठा पाये जिससे ये मैच हमारे हाथ से निकल गया। ऋषभ ने कहा, 'जब आप शुरुआती विकेट गंवा देते हैं तो हालात हमेशा ही कठिन होते हैं। आप हर चीज पर नियंत्रण नहीं कर सकते पर हर खिलाड़ी इस मैच को आगे ले जाने के प्रयास कर रहा था।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना था कि विकेट धीमा है और गेंद थोड़ा रुककर आएगी। हमने उम्मीद के अनुसार अच्छा प्रदर्शन नहीं किय। हम इससे सीखेंगे और आगे बढ़ेंगे। कई बाते सकारात्मक भी रही हैं। यह टूर्नामेंट की शुरुआत है अब भी टीम को बहुत सी चीजों का पता लगाना है और उम्मीद है कि आगे का सफर हमारे लिए अच्छा होगा।' वहीं इस मैच की बात करें तो पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर सुपरजायंट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इस दौरान निकोलस पूरन के 44 और आयुष बडोनी के 41 रन की सहायता से मेजबान टीम ने सात विकेट पर 171 रन बनाये। इसके बाद 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की टीम ने प्रभसिमरन सिंह की 34 गेंद में तीन छक्के और नौ चौके की सहायता से 69 रन बनाये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने 52 रन बनाये।

'मैं कप्तान था, अब नहीं हूं, लेकिन..., मुंबई इंडियंस में अपनी भूमिका पर बोले रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक रोहित शर्मा ने बताया कि मुंबई इंडियंस के सेटअप में पिछले कुछ सालों में उनकी भूमिका कैसे विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने शुरुआत की है, तब से बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन फ्रैंचाइजी के लिए मैच और ट्रॉफी जीतने का उनका जुनून और इच्छा कभी नहीं बदली है।

रोहित 2020 के बाद से आईपीएल में अपनी सबसे खराब शुरुआत कर रहे हैं। वह मौजूदा आईपीएल 2025 के पहले दो तीन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रहे हैं, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के पहले मैच में शून्य पर आउट हो गए। वह गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेल में फिर से विफल रहे और केवल 8 रन बनाए, जिसे एमआई ने शनिवार को 36 रनों से गंवा दिया। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में 13 रन बनाए, जहां वह

इम्पैक्ट सब के रूप में आए थे।

रोहित ने कहा, 'जब से मैंने शुरुआत की है, चीजें स्पष्ट रूप से बदल गई हैं। मैं मध्य क्रम में बल्लेबाजी करता था; अब मैं पारी की शुरुआत करता हूं। मैं कप्तान था; अब नहीं हूं। हमारे चैंपियनशिप जीतने वाले सीजन के मेरे कुछ साथी अब कोचिंग की भूमिका में हैं। इसलिए भूमिकाएँ बदल गई हैं, बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन मानसिकता वही है। मैं इस टीम के लिए जो करना चाहता हूं, वह नहीं बदला है, और वह है वहां जाकर खेल और ट्रॉफी जीतना। मुंबई इंडियंस इसी के लिए जानी जाती है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने ट्रॉफी जीती हैं और उन परिस्थितियों से खेल को बदला है, जिन पर किसी को विश्वास नहीं था। यही रूह और मुंबई की खासियत है।'

रोहित अपने नाम पांच खिताब के साथ अब तक के सबसे सफल IPL कप्तान हैं। उन्होंने आगे इस सीजन में मुंबई इंडियंस में शामिल हुए नए खिलाड़ियों के बारे में बात की और कहा, 'ट्रेंट बोल्ट जैसे लोग, जो पहले भी यहां आ चुके हैं, बहुत अनुभव लेकर आए हैं और रूह की संस्कृति को समझते हैं। फिर हमारे पास न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर हैं, जो अनुभव और क्लास दोनों ही लाते हैं। विल जैक्स और रीस टॉपली जैसे खिलाड़ी विविधता लाते हैं, जबकि रयान रिकेल्टन एक रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं।' उन्होंने कहा, 'इनमें से प्रत्येक खिलाड़ी टीम में कुछ अलग जोड़ता है, और जब आप उन्हें एक सामूहिक इकाई के रूप में साथ लाते हैं, तो इसका बड़ा प्रभाव पड़ता है। हमारे पास कई युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं जिनमें बहुत संभावनाएं हैं और मैं उनके साथ खेलने के लिए उत्सुक हूं। मेरा तत्काल लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी जीतना और मुंबई इंडियंस को गौरव वापस दिलाना है।'

कपिल सहित ये क्रिकेटर कभी भी टेस्ट करियर में रन आउट नहीं हुए

मुम्बई। क्रिकेट जगत में अब तक 5 खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी रन आउट नहीं हुए। इस सूची में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव से लेकर पांच खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में पाकिस्तान के मुदस्सर नजर, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान पॉल कॉलिंगवुड, ग्रीम हिक और पीटर बार्कर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। कपिल देव ÷ भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल अपने टेस्ट करियर में कभी रन आउट नहीं हुए। कपिल ने साल 1978 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 1994 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला। साल 1978 से 1994 तक कपिल ने 131 टेस्ट मैच में 8 शतक और 27 अर्धशतक से 5,248 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 434 विकेट भी टेस्ट मैचों में लिए। कपिल ने 225 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने 3,783 रन बनाए। इसमें एक शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। इस प्रारुप में उन्होंने 253 विकेट भी लिए। पॉल कॉलिंवगुड ÷ इंग्लैंड के कप्तान पॉल कॉलिंवगुड ने इंग्लैंड की ओर से 68 टेस्ट मैचों में 4,259 रन बनाए है। वह अपने पूरे टेस्ट करियर में कभी भी रन आउट नहीं हुए। कॉलिंगवुड ने 197 एकदिवसीय मैचों में 5,092 रन बनाए। जिसमें 5 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने 36 टी20 मैच भी खेले जिसमें उन्होंने कुल 538 रन बनाए। टी20 में कॉलिंगवुड ने 3 अर्धशतक लगाये। मुदस्सर नजर ÷ पाकिस्तान के मुदस्सर नजर भी कभी रन आउट नहीं हुए। मुदस्सर नजर ने 76 टेस्ट मैचों में 4114 रन बनाए, जिसमें 10 शतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 122 एकदिवसीय मैचों में 2653 रन बनाए। वह पाक क्रिकेट टीम के कोच भी रहे। पीटर बार्कर ÷ इंग्लैंड के पीटर बार्कर एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। वह अपने पूरे टेस्ट करियर में कभी रन आउट नहीं हुए। पीटर ने 1951 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और इंग्लैंड के लिए कुल 66 टेस्ट मैचों में 4537 रन बनाए। उन्होंने 13 शतक और 22 अर्धशतक लगाये। ग्रीम हिक ÷ जिम्बाब्वे में जन्मे ग्रीम हिक ग्रीम ने 1991 से 2001 के बीच इंग्लैंड के लिए 65 टेस्ट और 120 एकदिवसीय खेले लेकिन कभी रन आउट नहीं हुए। टेस्ट में उन्होंने 3,383 रन बनाए जिसमें 6 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान वह कभी रन आउट नहीं हुए। हिक ने इंग्लैंड के लिए 120 एकदिवसीय भी खेले जिसमें उन्होंने कुल 3,846 रन बनाए।

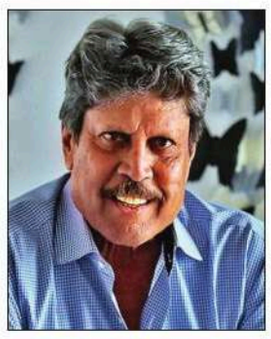

श्रेयर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले कप्तानों की सूची में सातवें नंबर पर पहुंचे

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आजकल अच्छे दौर से गुजर रहे हैं। एक और जहां उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम लगातार जीत दर्ज करती जा रही है। इस सत्र के लिए उन्हें मेगा नीलामी में पंजाब ने आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे मोटी बोली लगाकर खरीदा था जिससे उन्होंने सही साबित किया है। सत्र के आगे बढ़ने के साथ ही उनके नाम कई रिकॉर्ड बनते जा रहे हैं। वह इस बार लंबे छक्के लगाकर भी सबकी नजरों में आये हैं। आईपीएल इतिहास में कई कप्तान ऐसे हुए है जो लंबे छक्के लगाते हैं। इन्हीं में अब श्रेयस अय्यर का नाम भी जुड़ गया है। पहले दो मैचों में 2 अर्धशतकीय पारी खेलने वाले अय्यर ने अब तक 13 छक्के लगाये हैं। इस प्रकार कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने की सूची में श्रेयस अब 83 छक्कों के सात सातवें नंबर पर आ गये हैं। अय्यर ने आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में भी एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने अपने तीसरे मैच में 4 छक्के लगाकर अपने कुल आईपीएल छक्कों की संख्या 83 तक पहुंचा दी, जबकि गिलक्रिस्ट के नाम 79 छक्के दर्ज थे। आईपीएल में सबसे ज्यादा 218 छक्के कप्तान के तौर पर महेन्द्र सिंह धोनी के नाम हैं।

रोल्स रॉयस अभी भी तीसरे गियर में है : कप्तान अय्यर की शानदार पारी के बाद बोले पोंटिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ ÷ पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कप्तान श्रेयस अय्यर की तुलना 'तीसरे गियर में रोल्स रॉयस' से की। उनकी यह प्रतिक्रिया अय्यर के लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम की बड़ी जीत के लिए शानदार अर्धशतक बनाने के बाद आई। पोंटिंग ने अपनी टीम के साथ बातचीत में खिलाड़ियों को याद दिलाया कि आईपीएल 2025 अभियान के दौरान किसी भी चीज को हल्के में न लें।

अय्यर ने नाबाद 52 रन बनाए जो उनका दूसरा नाबाद अर्धशतक है जिससे पंजाब ने 172 रन के लक्ष्य को 16.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंदों में 69 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई जबकि नेहल वढेरा (25 गेंदों में नाबाद 43) ने भी आत्मविश्वास हासिल किया और अंत में आसान रन बनाए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, 'कप्तान (अय्यर) ने फिर से आसानी से जीत दर्ज की। रोल्स-रॉयस दिन के अधिकांश समय तीसरे गियर में ही रहा। इससे ज़्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं थी। बस जहाज को घर की ओर ले गया। आपको अभी तक औसत नहीं मिला है।' अय्यर को आईपीएल 2025 में अभी तक आउट नहीं किया गया है, उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ पहले मैच में नाबाद 97 रन बनाए थे। वह वर्तमान में 149 रन के साथ सीजन में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई महान खिलाड़ी ने अपने खिलाड़ियों से अपने काम के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध रहने को कहा क्योंकि यह एक लंबा और थकाऊ टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा, 'हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे हल्के में न लें। हमारा रवैया बिल्कुल सही रहा है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। इसलिए आइए एक परिवार के रूप में एक साथ कड़ी मेहनत करते रहें। और हम हर दिन बेहतर होते जाएंगे।'

पंजाब के घरेलू टीम के बल्लेबाजों को बांधे रखने में सफल होने का एक कारण गेंदबाजों द्वारा पहली गेंद से ही बनाए रखी गई मजबूत पकड़ थी और पोंटिंग ने कहा कि इससे बहुत बड़ा अंतर पैदा हुआ। उन्होंने कहा, 'आज पहले गेंदबाजी करते हुए अर्शदीप (सिंह) का पहला ओवर तीन रन के लिए गया, लॉकी (फर्ग्यूसन) ने एक ओवर में चार (रन) दिए। पावर प्ले में दो ओवर में 7 रन पर 1 विकेट। हम पावर प्ले में 35 रन पर 3 विकेट लेते हैं। पावर प्ले में चार ओवर में केवल 13 रन दिए गए। इसलिए पांचवें ओवर में मैक्सी (ग्लेन मैक्सवेल) आए और उसके बाद मार्को (जेनसन)। इसलिए मार्को ने छठा ओवर फेंका। उन्होंने वाकई कमाल दिखाया। उन्होंने डेविड मिलर का बड़ा विकेट लिया।'

पोंटिंग ने कहा, 'ग्रुप के इर्द-गिर्द जो कुछ भी हो रहा है, उसमें मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जब खिलाड़ी आते हैं और अपना पहला मैच खेलते हैं या उन्हें पहला मौका मिलता है, तो लॉकी आज भी वैसा ही था।' मंगलवार को PBKS ने एक बदलाव किया और लॉकी को टीम में पदार्पण का मौका दिया। पोंटिंग ने कहा, 'पूरा गेंदबाजी समूह शानदार था और प्रभसिमरन, मुझे लगता है कि आपने इस सप्ताह अपने बारे में भी बहुत कुछ

सीखा है। मुझे लगता है कि आपने सभी को साबित कर दिया है कि आप कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं।'

पोंटिंग ने वढेरा (25 गेंदों पर नाबाद 43 रन) की खूब तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने पास आए मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के प्रभाव डालने के बारे में बात करते हैं, है न? आपको टी20 मैच में मौका मिलता है और यह खेल और प्रतियोगिता पर प्रभाव डालने के बारे में होता है, जब आप कर सकते हैं। उसने (वढेरा) अपने बैग में केवल एक शर्ट रखी थी, क्योंकि उसे नहीं लगता था कि वह खेल में ज्यादा हिस्सा लेगा। वह आखिरी चार ओवर फील्डिंग करता है और फिर मैं उसके कंधे पर हाथ रखता हूं। जब मैंने देखा कि उन्होंने (एलएसजी) बाएं हाथ के ऑफ स्पिनर के रूप में अपना प्रभाव दिखाया है, तो मैंने कहा, दोस्त, तुम अंदर जा रहे हो। अवसर का पूरा लाभ उठाओ। अपने तरीके से खेलो।'

अश्वनी को नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं : रिकेलटन

मुंबई। मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज रियान रिकेलटन ने अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। रिकेलटन ने कहा कि इस गेंदबाज की गेंद जितना अंदाजा लगाया जाता है उससे तेज आती है। साथ ही कहा कि मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं जिससे वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। अश्वनी ने अपने पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ तीन ओवर में 24 रन पर चार विकेट लिए थे। उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने इस मैच में जीत दर्ज की थी। रिकेल्टन ने कहा, 'उसकी गेंदबाजी लोग जितना समझते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं। वह नई गेंद को स्विंग करने में सक्षम है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'आप जितना सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं और उसकी गेंद थोड़ी नीचे भी रहती है। वह निश्चित रूप से इस टीम में बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यहां की पिच उसके अनुकूल है। रिकेलटन ने कहा, 'मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं ताकि वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। वह मुंबई इंडियंस के लिए एक अच्छी खोज हैं और मैं वास्तव में यह देखने के लिए बेसब्र हूं कि वह कैसा प्रदर्शन करता है। वहीं केकेआर के रमनदीप सिंह ने भी अश्वनी को एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर बताया है।

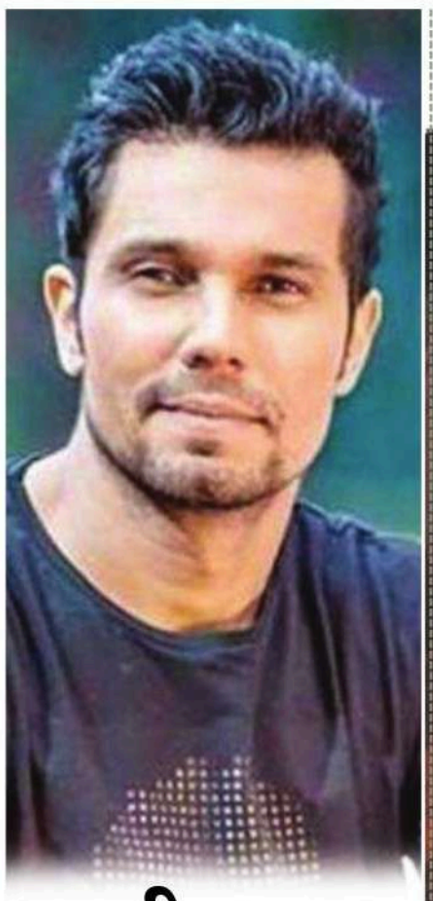

रणदीप हुड्डा ने की साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ

रणदीप हुड्डा जल्द ही फिल्म जाट में नजर आएंगे। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फिल्मों के रि-रिलीज होने पर कहा कि वे इसे भेड़चाल मानते हैं, क्योंकि अगर कोई एक चीज चल पड़ती है, तो सभी लोग वही करने लगते हैं।

रणदीप हुड्डा हाल ही में एक इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया कि रि-रिलीज फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्यों अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं इसे भेड़ चाल मानता हूं। यह एक सोशल मीडिया ट्रेंड जैसा बन गया है। एक या दो फिल्में रि-रिलीज के बाद अच्छी चल गईं, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी फिल्में अच्छी चलेंगी। अगर किसी एक जॉनर की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसके बाद सभी उसी तरह की फिल्में बनाने लगते हैं, जैसे अब स्त्री के बाद सभी हॉरर कॉमेडी फिल्में बनाने लग रहे हैं। रणदीप हुड्डा ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मुझे नहीं लगता कि यह मापदंड होना चाहिए। इंडस्ट्री कई कारणों से संकट का सामना कर रही है। अब ज्यादा फिल्में नहीं बन रही हैं, बल्कि उनका कार्यान्वयन हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा, अब एक्सपेरिमेंट ओटीटी पर ही संभव है। हालांकि, यहां भी लोग सब्सक्रिप्शन के पीछे भाग रहे हैं, फिर भी ओटीटी पर उम्मीद बनी हुई है।

साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ करते हुए रणदीप ने कहा कि उनकी फिल्मों में असली इंसानी भावनाओं पर ध्यान दिया जाता है, जिससे उनकी फिल्में ज्यादा जुड़ी हुई और सच्ची लगती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, वे हमारी तरह ही फिल्में बना रहे हैं, बस किरदारों को ज्यादा सच्चे तरीके से दिखाते हैं। जैसे पुष्पा में छह पैक एब्स नहीं हैं, बल्कि उसके पास दाढ़ी है और कंधा भी थोड़ा टेड़ा है। बता दें, रणदीप हुड्डा और सनी देओल की अपकमिंग फिल्म जाट में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणदीप विलेन का किरदार निभाएंगे।

सादिया ने साझा की 'द डिप्लोमैट' से जुड़ी यादें

अभिनेता जॉन अब्राहम के अभिनय से सजी फिल्म 'द डिप्लोमैट' में सादिया खतीब भी नजर आईं। इस फिल्म की कहानी में जॉन ने राजनयिक जेपी सिंह का किरदार निभाया है। वहीं उस्मा नाम की महिला के किरदार में सादिया खतीब दिखीं। फिल्म में जेपी सिंह (जॉन अब्राहम) एक भारतीय महिला उस्मा (सादिया खतीब) को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की कोशिश करता है, इसके लिए राजनायिक स्तर पर प्रयास करता है। हाल ही में सादिया ने इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी यादें साझा कीं। सादिया खतीब ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट की हैं। एक वीडियो में वह जॉन अब्राहम और फिल्म 'द डिप्लोमैट' की टीम के साथ डांस कर रही हैं। 'तू मेरा हीरो' गाने पर सादिया, जॉन के साथ खूब एंज्वॉय कर रही हैं। यह गाना जॉन की ही एक पुरानी फिल्म 'देसी बॉयज' का है।

शारिब हाशमी संग गाना गाया

कुछ और वीडियो भी सादिया ने साझा किए हैं, जिसमें वह अभिनेता शारिब हाशमी के साथ हिंदी फिल्मों के पुराने गीतों को गुनगुना रही हैं। किसी-किसी वीडियो में दोनों एक्टर फनी डांस कर रहे हैं। शूटिंग के दौरान सादिया ने अपने को-एक्टर्स के साथ खूब मस्ती-मजाक किया है। सादिया ने जॉन और शारिब के अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' के क्रू के साथ भी कुछ मजेदार तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही इन तस्वीरों के साथ एक कैप्शन भी लिखा है, 'यादों का पिटारा।' इसके अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' का हैशटैग भी लिखा है। ठीक-ठाक रहा फिल्म का कलेक्शन फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो यह फिल्म ठीक-ठाक बिजनेस ही कर सकी है। फिल्म ने अब तक कुल 31. 25 करोड़ रुपये की कमाई की है। जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

'पुष्पा 2' की सफलता के बाद अपना नाम बदलेंगे अल्लू

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' की बड़ी सफलता के बाद अपनी सक्सेस का लुत्फ उठा रहे हैं. इस फिल्म ने साल 2024 की आखिरी महीने में रिलीज होकर कई बड़ी फिल्मों के रिकार्ड्स को चकनाचूर किया था. सुकुमार के डायरेक्शन और अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों से खूब प्यार बटोरा था. अब भी फिल्म को उसके जबरदस्त डायलॉग, एक्शन सीक्वेंस, गाने के लिए याद किया जाता है. थिएटर्स के बाद फिल्म को डिजिटल डेब्यू पर भी बहुत सराहा गया. इस बीच अब खबर आ रही है कि फिल्म की बाद पुष्पा भाउ यानी अल्लू अर्जुन अपना नाम बदलने की सोच रहे हैं. हालांकि, इसपर एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अंक ज्योतिषी की सिफारिश के आधार पर अपने नाम में जोड़ सकते हैं, जिससे उनके उनका करियर और भविष्य दोनों सफल और अच्छा रहे. रिपोर्ट्स में बताया गया है कि एक्टर अपने नाम में दो ' ' और दो 'ह' जोड़ने सकते हैं. हालांकि, इसपर अल्लू अर्जुन ने कोई पुष्टि नहीं की है. मालूम हो कि अल्लू अर्जुन से पहले भी कई एक्टर्स ने अपने नाम के अक्षर में बदलाव किया है.

'फैमिली मैन 3' में हुई जयदीप अहलावत की एंट्री, मनोज बाजपेयी ने किया कन्फर्म

द फैमली मैन के तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अब इस सीरीज में पाताल लोक फेम अभिनेता भी नजर आने वाले हैं, जिसकी पुष्टि की गई है। जानिए पूरी खबर।

मनोज वाजपेयी ने किया खुलासा

द फैमिली मैन सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज वाजपेयी ने ओटीटी प्ले से बातचीत करते हुए बताया कि पाताल लोक फेम अभिनेता जयदीप अहलावत द फैमिली मैन के आगामी सीजन में दिखने वाले हैं। अभिनेता ने कहा कि पाताल लोक 2 सीजन में अपनी शानदार भूमिका निभाने वाले जयदीप अहलावत हमारे साथ द फैमिली मैन 3 में दिखेंगे। अभिनेता मनोज ने बताया है कि यह सीजन बहुत बड़ा और रोमांचक होने वाला है।

कब रिलीज हो रही सीरीज?

पिछली जानकारी के अनुसार द फैमिली मैन के तीसरे सीजन को इसी साल रिलीज किया जाना है। मनोज वाजपेयी ने बताया कि इस सीरीज को इसी साल नवंबर में रिलीज किया जाएगा। इस जानकारी ने फैंस के बेसब्री को और बढ़ा दिया है। हालांकि, ऑफिशियल तारीख की अभी कोई घोषणा नहीं की गई है। वेब सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति) सहित कई कलाकार फिर से नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।

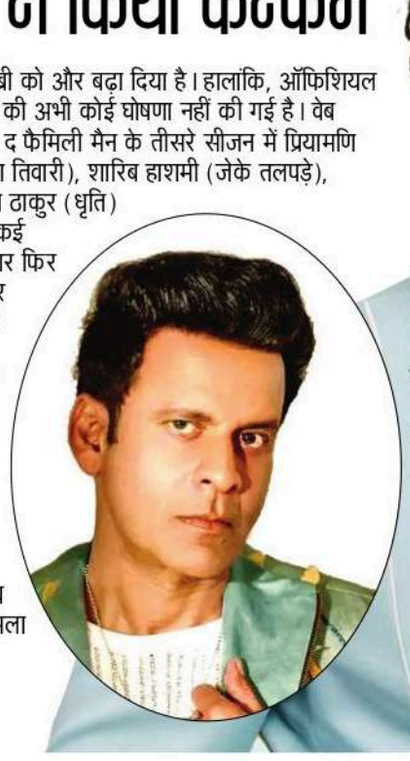

प्रभास की स्पिरिट को लेकर आया नया अपडेट, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दी जानकारी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिनमें से फिल्म स्पिरिट को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है, जिसे खुद फिल्म के निर्देशक ने शेयर किया है।

स्पिरिट की नई लोकेशन शूट मैक्सिको

उगादि पर्व के खास मौके पर, संदीप रेड्डी वांगा ने एक नया अपडेट दिया, जिससे प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश हैं। संदीप ने बताया कि वह और उनकी टीम हाल ही में मैक्सिको गए थे, जहां उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर खास जगह देखी हैं। उन्होंने यह बताया कि फिल्म का एक बड़ा हिस्सा मैक्सिको में ही शूट किया जाएगा, जिससे फिल्म में अंतरराष्ट्रीय तड़का नजर आएगा। टीम जल्द ही मैक्सिको जाकर लोकेशन फाइनल कर लेगी, ताकि आगे की शूटिंग शुरू हो सके।

फिल्म स्पिरिट

संदीप रेड्डी वांगा, भूषण कुमार और प्रणय रेड्डी वांगा इस फिल्म मिलकर बना रहे हैं। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग की जानकारी से प्रभास के फैंस बेहद खुश हैं। प्रभास के प्रशंसकों को यह जानने की उत्सुकता है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी। फिल्म को भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं। संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर तैयार कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 या उसके बाद कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास द राजा साब में नजर आएंगे। मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है द राजा साब। फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त के महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जनवरी 2024 में की गई थी।

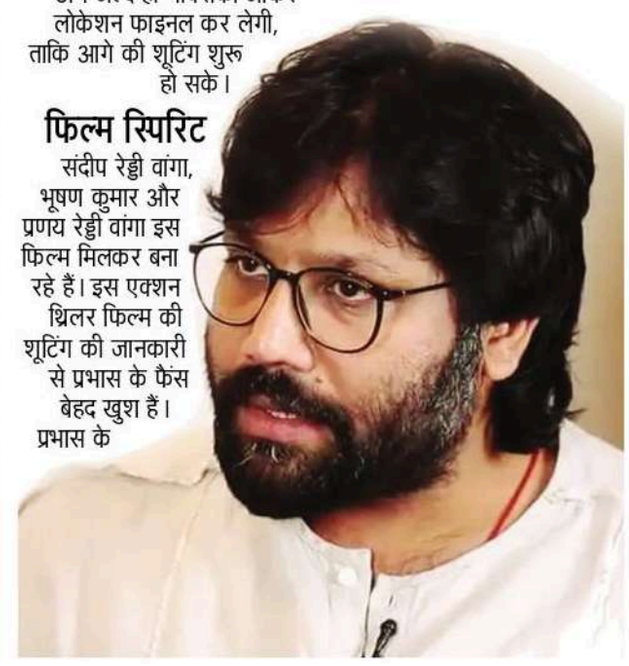

भूतनी के अलावा इन हॉरर थ्रिलर फिल्मों में नजर आएंगे संजय दत्त

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त एक्शन, रोमांस, थ्रिलर फिल्मों में फैंस का दिल जीत जीतने के बाद अब हॉरर फिल्म में नजर आने वाले हैं। वैसे संजय दो हॉरर फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिनमें से एक बॉलीवुड फिल्म द भूतनी है और दूसरी साउथ की एक आगामी फिल्म है, जिसमें प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

द भूतनी

द भूतनी एक आगामी हॉरर बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है। हाल ही में फिल्म से सभी स्टार्स का पहला लुक शेयर किया गया, जो फैंस को बेहद पसंद आया। खौस तौर पर संजय का यह अवतार उनके फैंस के लिए काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट हैं। द भूतनी इसके नाम से ही जाहिर है कि यह एक हॉरर फिल्म है। इस फिल्म में संजय दत्त के अलावा सनी सिंह, मौनी रॉय और पलक तिवारी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में संजय बाबा के किरदार में नजर आएंगे।

द राजा साब

द राजा साब मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म है। यह साउथ की एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। इस फिल्म में प्रभास, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के कई पोस्टर पहले ही रिलीज किए जा चुके हैं, जिनमें अभी तक सिर्फ प्रभास का लुक ही सामने आया है, लेकिन संजय के फैंस को द राजा साब में उनके अवतार को देखने का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनामाघरों में रिलीज होगी।

रक्त

संजय दत्त की फिल्म रक्त एक हॉरर फिल्म तो नहीं थी, लेकिन यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर जरूर थी, जिसमें संजय दत्त का किरदार काफी पसंद किया गया था। फिल्म का निर्देशन महेश मांजरेकर ने किया है और इसमें संजय के अलावा बिपाशा बसु, डिनो मोरिया, और अमृता अरोड़ा जैसे कलाकारों ने मुख्य भूमिकाओं निभाई थी। रक्त की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नी की रहस्यमयी मौत के बाद मानसिक रूप से अस्थिर हो जाता है। फिलहाल, संजय दत्त अपनी आगामी फिल्म द भूतनी की रिलीज की तैयारी हैं, जो 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

कुणाल कामरा के समर्थन में आए विद्युत जामवाल

अभिनेता विद्युत जामवाल ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में कॉमेडियन कुणाल कामरा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अभिनेता कमाल आर खान के विवादित बयानों पर कभी सवाल क्यों नहीं उठाया जाता, जो अक्सर महिलाओं और भारत को निशाना बनाते हैं। विद्युत जामवाल ने अपने इंस्टाग्राम फीड पर खान के साथ-साथ कामरा का एक वीडियो साझा किया और हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता का हवाला देते हुए लिखा, गीता अध्याय 2 श्लोक 31। अर्थ- क्षत्रिय, आपको डगमगाना नहीं चाहिए, क्योंकि एक योद्धा के लिए धर्मपूर्ण युद्ध से अधिक शुभ कुछ भी नहीं है। अभिनेता ने पूछा, यहां एक आदमी (केआरके) है, जो देश से बाहर शरण ले रहा है, देश और उससे भी बदतर, हमारी महिलाओं के खिलाफ जहर उगलकर ध्यान आकर्षित कर रहा है। कोई भी उसके इरादे पर सवाल उठाने या उसे नीचे लाने के लिए संगठित नहीं होता, लेकिन हम एक स्टैंड-अप कॉमेडियन को उसके काम की वजह से तीव्र भावनाएं भड़काने के लिए फटकार लगाएंगे। क्या हम अपने देश और हमारी महिलाओं पर राजनेताओं के अधिकारों का समर्थन करते हैं?

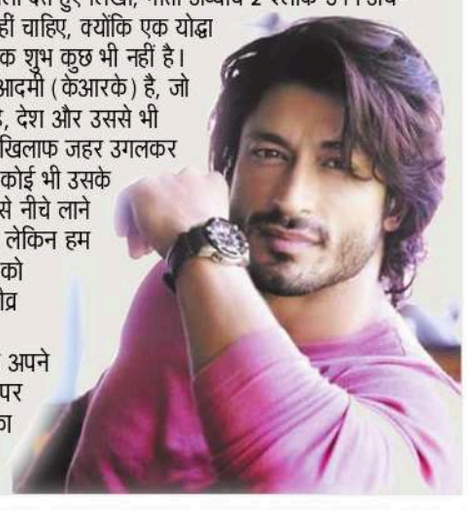

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267